E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 300 | गुवाहाटी | मंगलवार, 3 जून, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

अमित शाह के नेतृत्व में विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना की समीक्षा... पेज 2
प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एफआरयू स्थापित होंगे : स्वास्थ्य मंत्री सिंघल पेज 3
केंद्र व प्रदेश सरकार की नीतियों से हर वर्ग खुश राजनीति में कार्यकर्ता ... पेज 5
ग्लेन मैक्सवेल ने वनडे क्रिकेट से लिया संन्यास, टी-20 में जारी रखेंगे करियर पेज 7

राज्य में बाढ़ ने बिगाड़े हालात, 764 गांवों में भरा पानी, आईएमडी ने जारी किया अलर्ट

गुवाहाटी। पूर्वोत्तर में मानसून की पहली बारिश में ही हाहाकार मच गया। बारिश के चलते हो रहे भूस्खलन और बाढ़ ने परेशानी बढ़ा दी है। बाढ़ से सबसे ज्यादा हालात असम में बिगड़े हैं। यहां 20 जिलों के 764 गांवों में पानी भर गया और करीब चार लाख लोग प्रभावित हैं। दो लोगों की मौत हो चुकी है। इस बीच मौसम विभाग ने मूसलाधार बारिश की संभावना जताई है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) की रिपोर्ट के मुताबिक कछार और श्रीभूमि जिलों में दो लोगों की जान चली गई। यहां पर इस साल बाढ़ और भूस्खलन में मरने वाले लोगों की कुल संख्या बढ़कर 10 हो गई है। प्राधिकरण ने कहा कि कि कछार सबसे अधिक प्रभावित है, जहां एक लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं। इसके बाद श्रीभूमि में 85,000 और नगांव -शेष पृष्ठ दो पर

सिक्किम में आर्मी कैंप पर भूस्खलन से तीन जवानों की मौत, छह सैनिक लापता

कोलकाता (हि.स.)। सिक्किम में भारतीय सेना के कैंप पर भूस्खलन हुआ है, जिससे तीन जवानों के मौत हो गई है। भूस्खलन के बाद से छह अन्य अभी भी लापता हैं। सेना ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिए हैं। रक्षा मंत्रालय के पूर्वी कमान के प्रवक्ता विंग कमांडर हिमांशु तिवारी ने सोमवार दोपहर को जानकारी दी कि भारी बारिश के चलते रविवार की रात लगभग सात बजे लाचेन जिले के चेटन स्थित भारतीय सेना के कैंप पर विनाशकारी भूस्खलन हुआ, जिसमें तीन जवानों की जान चली गई। इस हादसे में चार जवानों को मामूली चोटों के साथ सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। जिन तीन जवानों के पार्थिव शरीर बरामद हुए हैं, उनमें हवलदार लखविंदर सिंह, लांस नायक मनीष ठाकुर और एक पोर्टर अभिषेक लखड़ा हैं। सेना की राहत टीमें अत्यंत विषम भू-भाग और खराब मौसम की चुनौतियों -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में बाढ़ से करीब 20 हजार लोग प्रभावित, 47 जगहों पर भूस्खलन

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर में पिछले पांच दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश के कारण आई बाढ़ (नदियों में उफान और बांधों में दरार) से करीब 20 हजार लोग प्रभावित हुए हैं। बाढ़ में 3,365 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग के एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि बाढ़ में अब तक 19,811 लोग और 3,365 घर प्रभावित हुए हैं। इंफाल पूर्वी जिले में 31 राहत शिविर खोले गए हैं। इन शिविरों में रहने वाले अधिकांश लोग अपने घरों और इलाकों से बाहर निकल चुके हैं। सेनापति जिले के अलावा इंफाल पूर्वी जिले के हेइगांग, ओयांगखेई और खुराई विधानसभा क्षेत्र इस बार बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। पिछले चार दिनों में राज्य के अलग-अलग इलाकों में 47 भूस्खलन की घटनाएं हुई हैं। अधिकारियों ने बताया कि राज्य की राजधानी इंफाल -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

असम पुश बैक नीति पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से किया इनकार

कहा- याचिकाकर्ता हाईकोर्ट जाएं

नई दिल्ली। असम में विदेशियों के निर्वासन से जुड़ी याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता गौहाटी हाईकोर्ट जाएं। याचिका में आरोप लगाया गया था कि असम सरकार ने राष्ट्रीयता सत्यापन या कानूनी उपाय समाप्त होने के बिना संदिग्ध विदेशियों को हिरासत में लेने और निर्वासन के लिए अभियान शुरू किया है। न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने याचिकाकर्ता को गौहाटी हाईकोर्ट जाने के लिए कहा। पीठ ने याचिकाकर्ता ऑल बीटीसी माइनॉरिटी स्टूडेंट्स यूनियन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगड़े से पूछा कि आप गौहाटी उच्च न्यायालय क्यों नहीं जा रहे हैं? इस पर वकील ने कहा कि यह याचिका सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पूर्व में पारित आदेश पर आधारित है। पीठ ने फिर कहा कि गौहाटी उच्च न्यायालय जाएं। हेगड़े ने कहा कि हम हाईकोर्ट का रुख करने के लिए याचिका वापस ले लेंगे। पीठ ने उन्हें याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी। अधिवक्ता अदील अहमद के जरिये दायर याचिका में शीर्ष अदालत के चार फरवरी के आदेश का जिक्र है। इस आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने असम को 63 घोषित विदेशी नागरिकों के निर्वासन की प्रक्रिया दो सप्ताह के भीतर शुरू करने का निर्देश दिया गया था। याचिका में कहा गया कि असम ने विदेशी होने के संदेह वाले व्यक्तियों को हिरासत में लेने और निर्वासित करने के लिए अभियान शुरू किया है। एक सेवानिवृत्त स्कूल शिक्षक को कथित तौर पर बांग्लादेश में वापस धकेल दिया गया। याचिका में दावा किया गया कि ऐसी घटनाएं असम पुलिस और प्रशासनिक मशीनरी द्वारा अनौपचारिक पुश बैक तंत्र के माध्यम से किए गए निर्वासन के बढ़ते पैटर्न को दर्शाती हैं। इसमें किसी भी न्यायिक निगरानी या संविधान या अदालत की ओर से सुझाए गए सुरक्षा उपायों का पालन नहीं किया जा रहा -शेष पृष्ठ दो पर

मां बांग्लादेश में...बेटे ने लगाई गुहार

एससी ने असम पुलिस को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली/गुवाहाटी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर असम पुलिस को नोटिस जारी किया। हालांकि, अदालत ने कहा कि अगर महिला देश में नहीं है तो हम उसे वापस नहीं बुला सकते। इस याचिका में असम पुलिस द्वारा एक महिला को अवैध हिरासत में लेने का आरोप लगाया गया है, जबकि उसे बांग्लादेश में निर्वासित किए जाने की खबरें भी सामने आई हैं। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा -शेष पृष्ठ दो पर

बाढ़ प्रभावित लखीमपुर जिले का मुख्यमंत्री ने किया दौरा

लखीमपुर (हि.स.)। राज्य में पिछले एक सप्ताह से लगातार हो रही बारिश के चलते उपरी असम और बराक घाटी में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है। इस कड़ी में उपरी असम के लखीमपुर जिले में नीपको के डैम से अचानक पानी छोड़े जाने के चलते काफी तबाही हुई है। स्थिति का जायजा लेने के लिए सोमवार को मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा राज्य के जल संसाधन विभाग के मंत्री पीयूष हजारिका, शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगू, केशव महंत आदि के साथ पहुंचे। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा है कि हाल की बारिश के संदर्भ में बिजली विभाग की कार्यप्रणाली या ऐसे प्राकृतिक आपदाओं के समय में किस प्रकार की सक्रियता और पूर्व चेतावनी अपनानी चाहिए, इस विषय पर संबंधित अधिकारियों के साथ -शेष पृष्ठ दो पर

अम्बुबासी मेला 22 से, नहीं होगा वीआईपी कल्चर : पर्यटन मंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। महामाया मां कामाख्या का महापर्व अम्बुबासी मेला 22 जून से शुरू हो रहा है। देश-विदेश से हजारों श्रद्धालु, साधु-संत एक बार फिर नीलाचल पहाड़ की ओर रुख करेंगे। अम्बुबासी को लेकर असम पर्यटन विभाग ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। सोमवार को गुवाहाटी के पल्टन बाजार स्थित पर्यटन कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में पर्यटन मंत्री रंजीत कुमार दास ने अम्बुबासी मेला 2025 की तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस बार अम्बुबासी की प्रवृत्ति 22 जून को दोपहर 2 बजकर 56 मिनट पर और निवृत्ति 26 जून को रात 3 बजे होगी। मंत्री दास ने साफ किया कि इस बार मेले में कोई वीआईपी या वीवीआईपी -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा ने पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों की मदद का किया आह्वान

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में बीते कुछ दिनें से भारी बारिश का दौर जारी है। मूसलाधार बारिश से आई बाढ़ और भूस्खलन से 34 लोगों की जान जा चुकी है। इसको लेकर भारतीय जनता पार्टी ने चिंता जताई है। सोमवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने ट्वीट करके कहा कि पूर्वोत्तर राज्यों के कुछ हिस्सों में लगातार भारी बारिश से प्रभावित लोगों के लिए गहरी चिंता है। उन्होंने भाजपा की राज्य इकाइयों और -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

ये मत सोचो की प्यार और लगाव एक ही चीज है। दोनों एक दूसरे के दुश्मन हैं। ये लगाव ही है जो प्यार को खत्म कर देता है।

– **आचार्य चाणक्य**

न्यूज गैलरी

देशभर में कोरोना के मामलों ने बढ़ाई चिंता

नई दिल्ली (हि.स.)। देशभर में कोरोना के नए मरीजों की बढ़ती संख्या से वायरस को लेकर एक बार फिर चिंताएं बढ़ने लगी हैं। कोरोना की नई लहर में जनवरी से अब तक 28 लोगों की मौत हो चुकी है। पिछले 24 घंटे में कोरोना से चार लोगों की मौत हो चुकी है। देश में कोरोना के एक्टिव -शेष पृष्ठ दो पर

जमात-ए-इस्लामी ने अपनी बहाली के लिए ईसी का दरवाजा खटखटाया

ढाका (हि.स.)। पाकिस्तान के प्रमुख राजनीतिक दल जमात-ए-इस्लामी ने आज पार्टी के पंजीकरण और चुनाव चिन्ह की बहाली के लिए चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटाया है। प्रतिनिधिमंडल ने आयोग को इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट के अपीलीय डिवीजन के ताजा आदेश की प्रति भी सौंपी। प्रतिनिधिमंडल और आयोग के अधिकारियों के बीच बैठक अगर -शेष पृष्ठ दो पर

असम-मेघालय 15 अगस्त तक पांच विवादित क्षेत्रों में सीमा स्तंभ स्थापित करेंगे

गुवाहाटी /शिलांग। असम और मेघालय के बीच लंबे समय से चले आ रहे सीमा मतभेदों के समाधान की दिशा में एक निर्णायक कदम उठाते हुए दोनों राज्यों की सरकारों ने सोमवार को स्वतंत्रता दिवस तक विवादित पांच क्षेत्रों में सीमा स्तंभ लगाने का निर्णय लिया। दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कुल 12 विवादित क्षेत्रों में से ये छह क्षेत्र भी शामिल हैं, जिनके समाधान के लिए दोनों राज्यों ने मार्च 2022 में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और उनके मेघालय समकक्ष कोनराड सांग्मा विभिन्न अंतर-राज्यीय मुद्दों पर एक बैठक के बाद यहां एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। शर्मा ने कहा कि जिन छह क्षेत्रों के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं, उनमें से पांच क्षेत्रों में हम 15 -शेष पृष्ठ दो पर

विराट कोहली के पब के खिलाफ मामला दर्ज

बेंगलुरू (हि.स.)। क्रिकेटर विराट कोहली के बेंगलुरु स्थित द *वन8 कम्यून* पब और रेस्तरां के खिलाफ केस दर्ज हुआ है। कोहली के पब और रेस्तरां में नो स्मोकिंग जोन नहीं होने की वजह से यह एफआईआर शहर के कब्बन पार्क पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई है। मामले में क्रिकेटर या रेस्तरां की ओर से अभी तक कोई बयान जारी नहीं किया गया है। दरअसल, रविवार की देर रात बेंगलुरु की कब्बन पार्क पुलिस ने विशेष अभियान -शेष पृष्ठ दो पर

ऑपरेशन सिंदूर पर सर्वदलीय डेलिगेशन से मिलेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली। पीएम मोदी ऑपरेशन सिंदूर पर विदेशों का दौरा करने वाले प्रतिनिधिमंडलों के सदस्यों से मिले सकते हैं। विदेश दौरे से लौटने के बाद 9-10 जून को मुलाकात हो सकती है। जानकारी के मुताबिक, डेलिगेशन के सदस्य प्रधानमंत्री मोदी को दुनियाभर में हुई बातचीत की जानकारी देंगे। दुनिया भर में सात प्रतिनिधिमंडल भेजे गए हैं, जो ऑपरेशन सिंदूर पर कई देशों का दौरा कर भारत का पक्ष रख रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य पाक और पाक अधिकृत कश्मीर में आतंकी ठिकानों को नष्ट करना था। यह अभियान 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में शुरू किया गया था, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। इस ऑपरेशन के बाद केंद्र सरकार ने वैश्विक मंच पर अपनी स्थिति स्पष्ट करने और पाक-प्रायोजित आतंकवाद को उजागर करने के -शेष पृष्ठ दो पर

असम में भाजपा नीत सरकार के *भ्रष्टाचार* को उजागर करेंगे : गौरव

नगांव। असम कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष गौरव गोगोई ने सोमवार को दावा किया कि उनकी पार्टी राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के कथित भ्रष्टाचार को उजागर करेगी और लोगों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बनाए रखते हुए लोकतंत्र की रक्षा करने का आश्वासन दिया। उन्होंने नगांव जिले में महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की पवित्र जन्मस्थली - बटद्रवा थान का दौरा करके तीन दिवसीय जुलूस के अपने अंतिम दिन की शुरुआत की। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ, गोगोई ने संत की पूजा की। थान के बाहर, उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि असम के प्रत्येक नागरिक की भलाई के लिए भी प्रार्थना की गई। प्रस्तावित विपक्षी गठबंधन पर मीडिया के एक सवाल का जवाब देते -शेष पृष्ठ दो पर

डबल इंजन की भाजपा सरकार ने असम को धोखा दिया : खड़गे

नई दिल्ली। भारत के पूर्वोत्तर राज्य इन दिनों बाढ़ और भारी बारिश से जूझ रहे हैं। इसके चलते पूर्वोत्तर राज्यों में 40 के करीब लोगों की मौत हो चुकी है। इसे लेकर सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। खड़गे ने कहा कि पूर्वोत्तर राज्यों में बाढ़ और भारी तबाही को देखते हुए प्रधानमंत्री मोदी पीएम केयर फंड के दरवाजे खोलेंगे। खड़गे ने दावा किया कि पीएम केयर फंड में करोड़ों रुपए बिना ऑडिट के रखे हुए हैं। खड़गे ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पीएम मोदी ने साल 2016 में असम को बाढ़ मुक्त प्रदेश बनाने का वादा किया था, लेकिन ऐसा लगता है कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार ने असम को धोखा दिया है। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में खड़गे ने लिखा कि पूर्वोत्तर राज्य भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन से जूझ रहे हैं। असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, सिक्किम और मेघालय सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य हैं। बाढ़ और भूस्खलन के चलते लाखों लोगों प्रभावित हुए हैं। खड़गे ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से इस मुश्किल घड़ी में लोगों की मदद करने की अपील की। खड़गे ने लिखा कि साल 2016 में -शेष पृष्ठ दो पर

शिलांग से लापता हुए इंदौर के नवदंपति में से युवक का शव मिला

भोपाल (हि.स.)। मेघालय के शिलांग में 11 दिन से लापता मध्य प्रदेश के इंदौर निवासी नवदंपति में से पति राजा रघुवंशी का शव सोमवार को एक खाई में मिल गया है, जबकि उनकी पत्नी सोनम रघुवंशी की तलाश अभी जारी है। यह नवदंपति हनीमून मनाने के लिए मेघालय के शिलांग गए थे। यहां वे दोनों ओसरा हिल्स से 23 मई की शाम के बाद से लापता हो गए थे। तब से पुलिस की अलग-अलग टीमें उनकी सर्चिंग में जुटी हैं। राजा के भाई सचिन रघुवंशी ने उसका शव मिलने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि हाथ पर राजा नाम लिखा है। दूसरे भाई विपिन ने कहा कि जहां स्कूटर मिला था, वहीं से करीब 20 से 25 किलोमीटर दूर शव मिला है। -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

अमित शाह के नेतृत्व में विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना की समीक्षा बैठक संपन्न

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में सोमवार को नई दिल्ली स्थित सहकारिता मंत्रालय में सहकारिता क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर एवं मुरलीधर मोहोल के अलावा सहकारिता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, उपभोक्ता मंत्रालय, भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई), नाबार्ड, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) सहित अन्य संगठनों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सहकार से समृद्धि के विजन को साकार करने की दिशा में विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि भारत में आर्थिक प्रगति को मापने के दो प्रमुख मापदंड हैं—सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) और रोजगार सृजन। अन्न भंडारण योजना इन दोनों पहलुओं को सशक्त बनाने का माध्यम है, जिसका उद्देश्य प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) की आमदनी बढ़ाने के साथ-साथ ग्रामीण रोजगार के अवसरों को सृजित करना है। शाह ने कृषि अवसंरचना निधि (एआईएफ) के अंतर्गत ऋण अवधि के विस्तार से पैक्स की वित्तीय स्थिति में सुधार के लिए त्वरित कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया। केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने अन्न भंडारण योजना में पैक्स की व्यापक भागीदारी पर बल देते हुए कहा कि यह जरूरी है कि पैक्स को इस योजना का अभिन्न हिस्सा बनाया जाए ताकि पैक्स की वित्तीय व्यवहार्यता और सामाजिक प्रभावशीलता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने एफसीआई, एनसीसीएफ, नाफेड और राज्य वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशनों को पैक्स को अधिक से अधिक गोदामों से जोड़ने के लिए ठोस दिशा-निर्देश दिए। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि राज्यों को अपने स्तर पर अधिक से अधिक पैक्स को इस योजना में शामिल करना चाहिए और राज्यस्तरीय मार्केटिंग फेडरेशनों को भी इससे जोड़ा जाना चाहिए ताकि एक संपूर्ण सहकारी आपूर्ति श्रृंखला विकसित की जा सके। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सभी उपस्थित संगठनों से समन्वय के साथ योजना को समयबद्ध और प्रभावशाली तरीके से लागू करने का आह्वान किया ताकि यह योजना *आत्मनिर्भर भारत* और *सहकार से समृद्धि* के लक्ष्य की पूर्ति में मील का पत्थर सिद्ध हो।

एसडीआरएफ ने बाढ़ से कुत्ते और घोड़े को बचाया

डिब्रूगढ़/धेमाजी (हिंस)। असम में एसडीआरएफ की टीमें केवल लोगों की ही नहीं, बल्कि पशुओं की भी मदद करने में जुटी हैं। राज्य भर में जरूरतमंदों को राहत पहुंचाने के साथ-साथ ये टीमें पशु-सेवा का भी उदाहरण पेश कर रही हैं। डिब्रूगढ़ के सदाशिव पथ इलाके में एक कुत्ते को नागरिक की सूचना पर सफलतापूर्वक बचाया गया। वहीं, धेमाजी जिले के सिलापथार के सोनारीघाट क्षेत्र से एक घोड़े को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। प्रशासन ने इन त्वरित और संवेदनशील प्रयासों की सराहना की है और आम जनता से आग्रह किया है कि वे किसी भी आपात स्थिति की जानकारी तुरंत साझा करें, ताकि समय रहते सहायता पहुंचाई जा सके।

एयर इंडिया ने 50 साल पुरानी सिलचर-कोलकाता सेवा समाप्त की

सिलचर। सिलचर को कोलकाता से जोड़ने वाली एयर इंडिया की एकमात्र उड़ान ने सोमवार सुबह अंतिम उड़ान भरी, जिसके साथ ही एयरलाइन का सिलचर के कुंभीरग्राम हवाई अड्डे के साथ पांच दशक से अधिक पुराना संबंध समाप्त हो गया। उधरबोंड निर्वाचन क्षेत्र में स्थित कुंभीरग्राम के सिलचर हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि उड़ान संख्या एआई 753 कोलकाता से सुबह 7-05 बजे 117 यात्रियों को लेकर पहुंची। वापसी की उड़ान, एआई 754, 52 यात्रियों को लेकर सुबह 7-55 बजे कोलकाता के लिए रवाना हुई, जो इस मार्ग पर एयर इंडिया की अंतिम सेवा थी। सिलचर के सांसद परिमल शुक्लाबैद्य ने निलंबन पर चिंता व्यक्त की, विशेष रूप से क्षेत्र में बाढ़ से संबंधित रेल और सड़क संपर्क में आई बाधा के बीच। सोमवार को असम ट्रिब्यून से बात करते हुए उन्होंने कहा कि हमने हाल ही में बराक घाटी के दौरे के दौरान केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री निमुबेन जयंतीभाई बंभानिया के समक्ष यह मुद्दा उठाया था। उन्होंने हमें आश्वासन दिया कि इस मामले पर तुरंत विचार किया जाएगा। सांसद ने एक अच्छी बात भी साझा की और बताया कि इंडिगो एयरलाइंस जल्द ही सिलचर से गुवाहाटी के लिए सुबह की उड़ान शुरू करने की योजना बना रही है। शुक्लाबैद्य ने कहा कि यदि यह साकार होता है, तो यह क्षेत्र के हवाई संपर्क के लिए एक सकारात्मक विकास होगा। स्मरणीय है कि 26 मई को मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा ने दिल्ली में नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू से मुलाकात कर सिलचर के ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे के विकास सहित हवाई संपर्क और बुनियादी ढांचे को बढ़ाने पर चर्चा की थी।

ड्रग्स समेत एक तस्कर गिरफ्तार

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिले के बालीपाड़ा इलाके से पुलिस ने भारी मात्रा में हेरोइन समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाये गये अभियान के दौरान चारीदुआर पुलिस ने जिले के बालीपाड़ा के उरीयाम घाट के मिरी गांव से भारी मात्रा में ड्रग्स समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया है।

पूसीरे ने पूर्वोत्तर में भारी बारिश के बीच सुरक्षित ट्रेन संचालन सुनिश्चित किया

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) पूर्वोत्तर क्षेत्र में भारी मानसून बारिश के बीच निर्बाध और सुरक्षित ट्रेन सेवाओं को बनाए रखने के लिए व्यापक उपायों को सक्रिय रूप से लागू कर रहा है। क्षेत्र की जटिल भू-संरचना और गंभीर मौसम स्थितियों से उत्पन्न चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए, पूसीरे ने यात्री सुरक्षा और बुनियादी ढांचे की मजबूती सुनिश्चित करने के लिए अपनी निगरानी और रखरखाव गतिविधियों को तेज कर दिया है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने सोमवार को बताया कि मानसून के दौरान ट्रैक की सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए, पूसीरे ने सभी संवेदनशील स्थानों पर स्थायी पहरेदार तैनात किए हैं, विशेष रूप से लामडिंग-बदरपुर पहाड़ी खंड और त्रिपुरा के विभिन्न स्थानों जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया है। ट्रैक और बुनियादी ढांचे की स्थिति की निगरानी के लिए नियमित गश्त की जा रही है।

पाकिस्तान में शिव मंदिर पर बिल्डरों का कब्जा, सड़कों पर उतरा हिंदू समुदाय

सिंध। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में हिंदू समुदाय के सदस्यों ने हैदराबाद शहर में एक ऐतिहासिक मंदिर की छह एकड़ जमीन पर अवैध कब्जे के खिलाफ प्रदर्शन किया। यह विरोध प्रदर्शन कराची से लगभग 185 किलोमीटर दूर मूसा खातियान जिले के टांडो जाम कस्बे में रविवार को हुआ। हिंदू समुदाय की नेता सीतल मेघवार ने मीडिया से कहा कि इन लोगों ने मूसा खातियान में शिव मंदिर शिवाला की जमीन पर पहले ही अवैध निर्माण शुरू कर दिया है। महिलाओं और बच्चों सहित प्रदर्शनकारी पाकिस्तान दलित इत्तेहाद-पाकिस्तान द्रविड़ गठबंधन (पीडीआई) के आह्वान पर बाहर आए, जो हिंदू समुदाय के कल्याण और अधिकारों के लिए लड़ता है। समुदाय के एक अन्य नेता राम सुंदर ने कहा कि मंदिर हमारे लिए पवित्र है और इन बिल्डरों ने समुदाय के श्मशान घाट सहित मंदिर के आसपास की जमीन पर निर्माण शुरू कर दिया है। प्रदर्शनकारियों ने सिंध में प्रभावशाली काशखेली समुदाय से संबंधित बिल्डरों के खिलाफ सरकार से तत्काल कार्रवाई की मांग की। शहर में विभिन्न स्थानों पर धरना देने के बाद टांडो जाम प्रेस क्लब के सामने प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि बिल्डर ने शिव मंदिर तक पहुंचने के रास्ते भी बंद कर दिए हैं, जिससे समुदाय के सदस्यों के लिए साप्ताहिक पूजा-पाठ करना मुश्किल हो गया है। पीडीआई के प्रमुख शिवा काची ने कहा कि पुलिस और जिला प्रशासन को लिखित शिकायत देने के बावजूद कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की गई है। जमीन हड़पने वालों के राजनीतिक प्रभाव के कारण पुलिस अतिक्रमण हटाने को तैयार नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सरकार और स्थानीय अधिकारियों ने इस पर ध्यान नहीं दिया तो वे अगले चरण में हैदराबाद शहर में विरोध प्रदर्शन करेंगे और न्याय के लिए अदालतों का भी दरवाजा खटखटाएंगे।

पृष्ठ एक का शेष

राज्य में बाढ़ ने बिगाड़े ...

में 62,000 लोग प्रभावित हैं। एएसडीएमए ने कहा कि वर्तमान में 764 गांव जलमग्न हैं और असम में 3,524.38 हेक्टेयर फसल क्षेत्र नष्ट हो गया है। बाढ़ की विभीषिका को देखते हुए राहत व बचाव कार्य में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) समेत कई एजेंसियां लगी हैं। प्रशासन वर्तमान में 12 जिलों में 155 राहत शिविर और राहत वितरण केंद्र संचालित कर रहा है। 10,272 विस्थापित लोगों की देखभाल कर रहा है। अफसरों ने बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के बाढ़ पीड़ितों के बीच 1,090.08 क्विंटल चावल, 284.63 क्विंटल दाल, 952.76 क्विंटल नमक और 4,726.26 लीटर सरसों का तेल वितरित किया है। बारिश के चलते राज्य की नदियां उफान पर हैं। ब्रह्मपुत्र नदी डिब्रूगढ़ और निमातीघाट में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। इसकी सहायक नदियां नुमालीगढ़ में धनसिरी और कामपुर में कोपिली खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। बराक नदी बदरपुर घाट पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, जबकि इसकी सहायक नदी कुशियारा श्रीभूमि में और मतिजुरी में कटाखल भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। वहीं राज्य भर के कई जिलों में बाढ़ के पानी से तटबंध, सड़कें, पुल और अन्य बुनियादी ढांचे क्षतिग्रस्त हो गए हैं। बाढ़ और भूस्खलन से सड़क परिवहन, रेल यातायात और नौका सेवाएं भी प्रभावित हुईं। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार शाम को आगाह किया कि राज्य और पड़ोसी क्षेत्रों में लगातार भारी बारिश के कारण निचले इलाकों और नदी तटवर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए स्थिति और खराब होने की संभावना है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्थिति का जायजा लेने के लिए शर्मा को फोन किया और हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। असम-अरुणाचल प्रदेश सीमा से भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टर ने चौदह फंसे हुए लोगों को निकाला गया।

सिक्किम में आर्मी ...

के बावजूद लगातार तलाशी अभियान चला रही हैं, ताकि लापता छह कर्मियों को जल्द से जल्द खोजा जा सके। घटनास्थल पर दिन-रात अभियान जारी है। भारतीय सेना ने इस दुर्घटना में जान गंवाने वाले जवानों को श्रद्धांजलि देकर शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। सेना की ओर से कहा गया है कि दुख की इस घड़ी में पीड़ित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। सेना ने कहा कि संकट की इस घड़ी में वह अपने प्रत्येक जवान की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और प्राकृतिक आपदा के बावजूद उसका साहस और कर्तव्यनिष्ठा अडिग है।

मणिपुर में बाढ़ से ...

और इंफाल पूर्वी जिलों के कई इलाकों में नदी का जलस्तर बढ़ने और खुराई, हेइगांग और चेकोन इलाकों में बांध टूटने के बाद बाढ़ आ गई है। आपदा प्रबंधन अधिकारी ने बताया कि चेकोन क्षेत्र में इंफाल नदी का जलस्तर बढ़ गया है, जिससे ऑल इंडिया रेडियो इंफाल परिसर और सरकारी जवाहरलाल नेहरू आयुर्विज्ञान संस्थान सहित कई कार्यालय, स्वास्थ्य सेवा केंद्र और संस्थान पानी में डूब गए हैं। इंफाल पूर्वी जिले के परमपते स्थित जवाहरलाल नेहरू आयुर्विज्ञान संस्थान में उपचार करा रहे कई मरीजों को रविवार शाम अन्य अस्पतालों में स्थानांतरित कर दिया गया, क्योंकि स्वास्थ्य केंद्र में पानी घुस गया था। अधिकारी ने बताया कि जब बाढ़ का पानी ग्राउंड फ्लोर पर स्थित महिलाओं के ऑर्थोपेडिक और सर्जरी वार्ड में घुस गया, तो स्थानीय क्लब, स्वयंसेवक, एसडीआरएफ और एनडीआरएफ के सदस्यों ने मरीजों को शिफ्ट करने के लिए हाथ मिलाया। इसके अलावा, सेना और असम राइफल्स के जवानों ने सबसे ज्यादा प्रभावित इंफाल ईस्ट जिले में बाढ़ वाले इलाकों से करीब 800 लोगों को बचाया। उन्होंने बताया कि इंफाल ईस्ट जिले में इरिल नदी का जलस्तर रविवार को खतरे के निशान को पार कर गया, लेकिन बांध अभी तक नहीं टूटा है। इस बीच, राजभवन की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने इंफाल शहर के कई बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया। मुख्य सचिव पीके सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ राज्यपाल ने इंफाल में कंगला नोंगपोक थोंग, लैरीकिएंगबाम लाईकाई और सिंगजामेई पुलों का दौरा किया और समग्र स्थिति की समीक्षा की।

असम पुश बैक ...

है। उचित प्रक्रिया के बिना व्यक्तियों का निर्वासन संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 का उल्लंघन है। उन्हें अपने निर्वासन का विरोध करने का अवसर नहीं मिलता और उनके जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन होता है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि निर्वासन निर्देशों के अंधाधुंध प्रयोग तथा उचित पहचान, सत्यापन और नोटिस तंत्र के अभाव के कारण ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई है, जहां भारतीय नागरिकों को गलत तरीके से कैद किया जा रहा है और बिना किसी वैध आधार के विदेशी क्षेत्रों में भेजने की धमकी दी जा रही है। याचिका में निर्देश देने की मांग की गई है कि किसी भी व्यक्ति को चार फरवरी के आदेश के अनुसार विदेशी न्यायाधिकरण द्वारा पूर्व कारण बताए बिना, अपील या समीक्षा का पर्याप्त अवसर दिए बिना और विदेश मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीयता के सत्यापन के बिना निर्वासित नहीं किया जाएगा। साथ ही असम की पुश बैक नीति को रद्द करने की मांग की गई।

एससी ने असम पुलिस...

की पीठ ने महिला के 26 वर्षीय बेटे (याचिकाकर्ता) की ओर से पेश कपिल सिब्बल की दलीलें सुनने के बाद नोटिस जारी कर असम सरकार से जवाब तलब करने का आदेश पारित किया। सिब्बल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट से जमानत का आदेश है, सिविल अपील लंबित है और महिला को बाहर निकाल दिया गया है और यह फैसला एक एसपी ने किया। क्या आप कल्पना कर सकते हैं? सिब्बल ने आगे कहा कि गौहाटी हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली सिविल अपील, जिसने महिला को विदेशी घोषित करने को बरकरार रखा है, 2017 से सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष लंबित है। जब पीठ ने मौजूदा मामले को लंबित अपील के साथ जोड़ने की इच्छा जताई तो सिब्बल ने कहा लेकिन इस बीच वह चली गई है। उसे बाहर निकाल दिया गया है। उसे बांग्लादेश भेज दिया गया है। इस पर जस्टिस शर्मा ने कहा ऐसे में हम उसे वापस नहीं बुला सकते, अगर वह पहले से ही देश में नहीं है। इसके जवाब में सिब्बल ने सवाल किया कि एसपी ने कोर्ट के आदेश का उल्लंघन कैसे किया? उन्होंने यह भी कहा कि याचिकाकर्ता को पक्का पता नहीं है कि उसकी मां अभी भी देश में है या उसे बांग्लादेश भेज दिया गया है। उन्होंने आग्रह किया कि इस बीच कम से कम उनसे पूछिए कि वह कहां है, बेटा नहीं जानता। अगर वह बांग्लादेश में है, तो यह अलग बात है। सिब्बल ने आगे कहा कि आप जानते हैं कि उसे 24 घंटे के भीतर पेश किया जाना है। पेश नहीं किया गया, सीधे घर से उठा लिया गया। डीके बसु में इस कोर्ट के आदेश का सीधा उल्लंघन है। एसपी घर जाता है, उसे उठाता है और फेंक देता है, ऐसा कैसे हो सकता है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया।

बाढ़ प्रभावित लखीमपुर...

चर्चा की। साथ ही, बारिश की पूर्व सूचना मिलने के बाद तुरंत अधिक सावधानी से जिला प्रशासन के साथ समन्वय करते हुए आगे की कार्रवाइयां करने के लिए अधिकारियों को उन्होंने निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि सोमवार को लखीमपुर में, मैंने नीपको के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे नीचे की ओर डैम से पानी छोड़ते समय मौजूदा एसओपी का पालन करें। पानी के अचानक और अस्थायी रूप से छोड़े जाने से बाढ़ की स्थिति और खराब हो गई है। लखीमपुर में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेते हुए ने कहा कि हमारी सरकार लोगों को राहत प्रदान करने के लिए मिशन मोड में काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार असम के लोगों की हर दु:ख और सुख के समय में हमेशा साथ है और आगे भी रहेगी। सभी कुशल रहें इसके लिए प्रयास कर रहे हैं। जनता के लिए हम हर क्षण जिम्मेदार हैं। भारी बारिश के कारण लखीमपुर के आमतला में बाढ़ विनाशकारी रूप धारण कर चुकी है। प्रशासन जनता की सहायता एवं सुरक्षा के लिए लगातार मेहनत कर रही है। यदि आपात स्थिति में कमी आई और हालात सामान्य हुए, तो हम तुरंत प्रभावित लोगों के लिए सहायता का प्रबंध करेंगे। अच्छे दिन निश्चित ही आएंगे। लखीमपुर में बाढ़ की स्थिति को लेकर मीडिया से बात करते हुए सीएम ने कहा कि मैं बताना चाहता हूं इस बाढ़ में जिन लोगों को नुकसान हुआ है, हम सभी के लिए मुआवजे की व्यवस्था निश्चित रूप से करेंगे। इस समय स्थानीय आदिवासी लोगों की पीड़ा हम समझ रहे हैं। साथ ही कहा कि लगातार बारिश के बीच लखीमपुर के लोगों के लिए हमारी सहायता प्रयास पूरे जोश में चल रहा है। इस संवेदनशील समय में हम सभी के पास उपस्थित होकर उनकी स्थिति को समझते हुए आवश्यकताओं की पूर्ति और समस्याओं के समाधान का प्रयास कर रहे हैं।

अम्बुबासी मेला 22 ...

सुविधा नहीं होगी। उन्होंने कहा कि मेले को पूरी तरह आध्यात्मिक और सादा माहौल में संपन्न किया जाएगा। सरकार की ओर से मेले के लिए इस बार 4 करोड़ 55 लाख रुपए खर्च किए जा रहे हैं। मंत्री दास ने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे अम्बुबासी के दौरान कामाख्या मंदिर परिसर में जूते-चप्पल पहनकर न आएं। इसकी जगह मोजे पहनकर आने की सलाह दी गई है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर के मुख्य द्वार से रास्ते में कार्पेट बिछाए जाएंगे और जगह-जगह पीने के पानी की व्यवस्था की जाएगी। मंत्री ने बताया कि अब तक 4 शिविर बनाए जा चुके हैं, जो विशेष रूप से बाहरी राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए हैं। यदि भीड़ अपेक्षा से अधिक होती है तो शिविरों की संख्या बढ़ाई जाएगी।

भाजपा ने पूर्वोत्तर राज्यों ...

कार्यकर्ताओं को जारी दिशा-निर्देशों में हरसंभव सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया है। इसके साथ उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में सभी से आवश्यक सावधानी बरतने, अनावश्यक यात्रा से बचने और स्थानीय अधिकारियों की सलाह का पालन करने का आग्रह किया है। उल्लेखनीय है कि भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में बीते कुछ दिनें से भारी बारिश का दौर जारी है। मूसलाधार बारिश से आई बाढ़ और भूस्खलन से 34 लोगों जान जा चुकी है। वहीं, बड़ी संख्या में लोग जख्मी भी हुए है, जिनका इलाज चल रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, असम में 10, अरुणाचल प्रदेश में 9, मिजोरम में 5 और मेघालय में 6 लोगों की मौत हुई है। इसी बीच भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने पूर्वोत्तर राज्यों के लिए पांच जून तक बारिश की चेतावनी जारी की है।

असम-मेघालय 15 अगस्त...

अगस्त तक सीमा स्तंभ लगाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि इन पांच क्षेत्रों में से एक में कुछ अंतर है। मेघालय एक गांव चाहता है जो हमें आवंटित किया गया था, लेकिन उन्होंने आश्वासन दिया है कि उतनी ही भूमि हमें हस्तांतरित की जाएगी। हमने विचार करने और उन्हें सूचित करने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा है। विवाद के छठे क्षेत्र के बारे में शर्मा ने कहा कि यह पिलिंगकाटा क्षेत्र से संबंधित है और इसमें कुछ *व्याख्या में मतभेद* है। उन्होंने कहा कि दोनों राज्यों के उपायुक्त बैठकर इस पर चर्चा करेंगे। सांग्मा ने कहा कि छोटे-मोटे मुद्दों को सुलझाया जा रहा है और स्वतंत्रता दिवस तक पांचों क्षेत्रों में सीमा स्तंभ स्थापित कर दिए जाने की उम्मीद है। मेघालय के मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमा विवाद का चरणबद्ध तरीके से समाधान हमारे संबंधों में एक प्रमुख मील का पत्थर है। शर्मा ने कहा कि दोनों राज्यों ने अन्य छह विवादित स्थलों पर चर्चा आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है, लेकिन इसे पूरा करने के लिए कोई समय-सीमा तय नहीं की गई है। अंतर-राज्यीय सीमा पर 55 मेगावाट की कुलसी बहुउद्देशीय परियोजना के बारे में उन्होंने कहा कि दोनों राज्यों ने सैद्धांतिक रूप से इस पर मिलकर काम करने का निर्णय लिया है। सांग्मा ने कहा कि कुलसी दोनों राज्यों के लिए फायदेमंद परियोजना है। हमने इस पर साथ मिलकर काम करने का निर्णय लिया है, बशर्ते कि उस क्षेत्र में रहने वाले लोगों को विश्वास में लिया जाए। शर्मा ने कहा कि दोनों राज्य जलविद्युत परियोजना पर मिलकर काम करेंगे, जबकि असम सरकार इस बहुउद्देशीय परियोजना के सिंचाई भाग को आगे बढ़ाएगी, जिससे निचले इलाकों में कामरूप और ग्वालपाड़ा जिलों के बड़े हिस्से को लाभ होगा। असम और मेघालय के बीच 884.9 किलोमीटर लंबी अंतरराज्यीय सीमा पर 12 क्षेत्रों में लंबे समय से विवाद चल रहा है। दोनों राज्यों ने छह क्षेत्रों में विवाद समाप्त करने की दिशा में मार्च 2022 में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। पहले चरण में छह स्थानों पर निपटारे के लिए चुने गए 36.79 वर्ग किलोमीटर विवादित क्षेत्रों में से, असम को 18.46 वर्ग किलोमीटर और मेघालय को 18.33 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र मिला। मेघालय को 1972 में असम से अलग कर अलग राज्य बनाया गया था और तब से उसने असम पुनर्गठन अधिनियम, 1971 को चुनौती दी थी, जिसे असम अपनी सीमा मानता है।

विराट कोहली के ...

के दौरान कुल 5 बार और रेस्तरां के खिलाफ कार्रवाई की है, जिसमें विराट कोहली के स्वामित्व वाला द वन8 कम्यून पब और रेस्तरां भी शामिल है। पुलिस ने पाया कि इस पब में *नो स्मोकिंग जोन* नहीं है, इसलिए सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (कोटपा) के प्रावधानों के उल्लंघन के आरोप में स्वत: संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया है। इससे पहले जुलाई, 2024 में पब के निर्धारित समय से अधिक समय तक चलने के लिए मामला दर्ज किया गया था। उस वक्त गश्त कर रही पुलिस टीम को शिकायत मिली थी कि द वन8 कम्यून पब देर रात तक खुला हुआ है। जब पुलिस टीम रात 1:20 बजे पब पहुंची, तो पाया गया कि पब उस वक्त भी ग्राहकों को सेवा दे रहा है, जिसके आधार पर एफआईआर दर्ज की गई। दिसंबर, 2024 में बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) ने पब को अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र न होने पर नोटिस जारी किया था। विराट कोहली के स्वामित्व वाले द वन8 कम्यून की ब्रांचें दिल्ली, मुंबई, पुणे, बेंगलुरु, कोलकाता और गुरुग्राम जैसे शहरों में हैं। दिसंबर, 2023 में इस रेस्तरां को बेंगलुरु में खोला गया है।

ऑपरेशन सिंदूर पर...

लिए एक सर्वदलीय डेलिगेशन भेजने का फैसला किया था। पहलगाम हमले का बदला लेने के लिए भारत ने सात मई को ऑपरेशन सिंदूर चलाया था। ऑपरेशन सिंदूर के लिए भारत ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकी के ठिकानों को ध्वस्त किया था। भारत ने एकसाथ आतंकी के 9 ठिकानों को टारगेट कर उसे तबाह किया था। भारत के इस हमले में 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए। इस हमले के बाद पाकिस्तान ने भारत पर हमले की कोशिश की। मगर भारत ने इसका मुंहतोड़ जवाब दिया। भारत ने पाकिस्तान के सभी हमले को नाकाम कर दिया। भारत के जवाबी हमले से डरकर पाकिस्तान ने युद्धविराम की बात की। 10 मई को पाकिस्तान के डीजीएमओ ने भारत के डीजीएमओ से बात कर युद्धविराम की बात कही। इसके कुछ घंटे के बाद सीजफायर की घोषणा की गई। हालांकि, इसके कुछ घंटे बाद ही पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन कर दिया जम्मू के कुछ सेक्टरों में ड्रोन से हमले की कोशिश की लेकिन भारत ने जवाबी कार्रवाई कर इसे भी नाकाम कर दिया। सर्वदलीय डेलिगेशन का उद्देश्य यह था कि भारत का पक्ष दुनिया के सामने मजबूती से रखना, पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकवाद को बेनकाब करना, ऑपरेशन सिंदूर को आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो-टॉलरेंस नीति के रूप में प्रस्तुत करना और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को यह दिखाना कि भारत की कार्रवाई संतुलित, सटीक और गैर-विस्तारवादी थी, जिसमें केवल आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया।

असम में भाजपा नीत ...

हुए, गोगोई ने कहा कि असम में कांग्रेस के संगठन को मजबूत करने की जरूरत है। कांग्रेस नेता ने कहा कि हम राज्य में मौजूदा भाजपा के नेतृत्व वाली असम सरकार द्वारा कथित रूप से किए जा रहे बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार को उजागर करेंगे। हम जनविरोधी कुकृत्यों के खिलाफ मजबूती से लड़ेंगे। गोगोई ने लोगों को यह भी आश्वासन दिया कि पार्टी *असम के पत्रकारों पर मौजूदा भाजपा नीत सरकार के कथित अत्याचारों* के बजाय अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और स्वतंत्र पत्रकारिता को कायम रखते हुए लोकतंत्र की रक्षा करेगी। बटद्रवा थान की अपनी यात्रा में उनके साथ लोकसभा सांसद रकीबुल हुसैन, बटद्रवा विधायक सिबामोनी बोरा, रुपोहीहाट विधायक नूरुल हुदा, तीताबर विधायक भास्कर ज्योति बरुआ और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। यह यात्रा पार्टी के आउटरीच प्रयासों और असम की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत के प्रति श्रद्धा को रेखांकित करती है। प्रार्थना करने के बाद गोगोई ने कुछ देर के लिए थान प्रबंधन समिति के साथ बातचीत की। इससे पहले, गोगोई को बटद्रवा के पास रैडांगिया में उनके शुभचिंतकों ने सम्मानित किया, एक कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा।

डबल इंजन की भाजपा...

भाजपा ने बाढ़ मुक्त असम बनाने का वादा किया था। 2022 में अमित शाह ने भी इस वादे को दोहराया। अब कथित स्मार्ट शहर गुवाहाटी की तस्वीरे देखकर लगता है कि मोदी जी और उनकी डबल इंजन की सरकार ने असम के साथ धोखा किया। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि मोदी सरकार को सभी पूर्वोत्तर राज्यों के लिए फंड जारी करना चाहिए और खासकर असम के लिए ताकि बाढ़ के हालात से निपटा जा सके। मोदी जी पीएम केयर फंड से भी फंड आवंटित कर सकते हैं, जिसमें बिना ऑडिट के करोड़ों रुपए पड़े हैं। असम में बाढ़ से 10 लोगों की मौत हो चुकी है और 20 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। इससे चार लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। निचले इलाकों और नदियों के तटीय इलाकों में हालात ज्यादा खराब हैं। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने भी पूर्वोत्तर राज्यों में बाढ़ और प्राकृतिक आपदा के हालात पर चिंता जताई। उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि असम, अरुणाचल समेत पूर्वोत्तर के राज्यों में भारी बारिश से हुई मौतों का समाचार अत्यंत दुखद है। लाखों लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। ईश्वर सभी की रक्षा करें। केंद्र और राज्य सरकारों से अपील है कि राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाई जाए ताकि लोगों को कम से कम तकलीफ उठानी पड़े। कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं से भी आग्रह करती हूं कि प्रभावित लोगों की यथासंभव मदद करें। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पूर्वोत्तर राज्यों के सभी मुख्यमंत्रियों और मणिपुर के राज्यपाल से फोन पर बात की है। उन्होंने हरसंभव मदद का आश्वासन दिया है। सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में अमित शाह ने लिखा कि मोदी सरकार उत्तर पूर्व के लोगों के साथ इस मुश्किल घड़ी में मजबूती के साथ खड़ी है। मौसम विभाग ने पूर्वोत्तर राज्यों में 5 जून तक बारिश का अनुमान जारी किया है। कुछ इलाकों में इस दौरान भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

शिलांग से लापता ...

राजा की मौत कैसे हुई और वह यहां तक कैसे पहुंचा, इसकी जांच की जा रही है। राजा के भाई विपिन और सोनम के भाई गोविंद सर्चिंग टीम के साथ ही मौजूद हैं। गौरतलब है कि राजा और सोनम रघुवंशी की शादी 11 मई को इंदौर में हुई थी। वे 20 मई को हनीमून के लिए रवाना हुए थे। राजा इंदौर में ट्रांसपोर्ट का व्यवसाय करते हैं। नवदंपति इंदौर से बेंगलुरु होते हुए गुवाहाटी पहुंचे, जहां मां कामाख्या के दर्शन करने के बाद वे 23 मई को मेघालय के शिलांग रवाना हुए। शुरुआत में परिवार की दोनों से बात होती रही, फिर संपर्क टूट गया। राजा के बड़े भाई सचिन रघुवंशी को पहले लगा कि नेटवर्क का इश्यू होगा, लेकिन 24 मई से दोनों के मोबाइल बंद हो गए तो चिंता होने लगी। कई प्रयासों के बाद जब कोई संपर्क नहीं हो सका तो सोनम के भाई गोविंद और राजा के भाई विपिन इमरजेंसी फ्लाइट से शिलांग पहुंचे। इसके बाद वे सर्चिंग टीम के साथ जुड़े हुए हैं।

देशभर में कोरोना ...

मामलों की संख्या की 3961 हो गई है। सोमवार को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने बताया कि कोरोना के मामलों में सबसे पहला स्थान केरल का है, जहां 1435 एक्टिव मामले सामने आए हैं। उसके बाद महाराष्ट्र है जहां 506 और दिल्ली में 483 एक्टिव मामले हैं। पश्चिम बंगाल में 331, गुजरात में 338 कोरोना के एक्टिव मामले हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार कोरोना के एक्टिव मामलों की संख्या 3961 है और पिछले 24 घंटों में कुल चार मौतें हुई हैं। इसके साथ जनवरी से अबतक कोरोना से मरने वालों की संख्या 28 हो गई है। पिछले 24 घंटों में देश में कोरोना से चार मरीजों की मौत हो गई है। इनमें से एक मौत दिल्ली से दर्ज की गई है, जो एक 22 साल की महिला थी, जिनको पहले टीबी की बीमारी थी। इसके साथ कोरोना से एक मौत तमिलनाडु से दर्ज की गई है जिसमें एक 25 साल के पुरुष की मौत हो गई है। मृतक को अस्थमा की समस्या थी। केरल से और महाराष्ट्र से एक एक कोरोना से हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार भारत में कोरोना के मामले में यह उछाल उभरते हुए वेरिएंट एनबी.1.8.1 और एलएफ.7 के कारण बताया जा रहा है, जब कि जेएन.1 अभी भी प्रमुख स्ट्रेन बना हुआ है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों से शांत रहने और भीड़-भाड़ वाली जगहों पर स्वच्छता बनाए रखने की चेतावनी दी है। जिन वयस्कों को पहले से ही कोई बीमारी है और जो वैक्सीन या बूस्टर डोज नहीं लगवा पाए हैं, उनमें कोरोना वायरस का खतरा अधिक है।

जमात-ए-इस्लामी ने ...

गांव स्थित आयोग भवन के सम्मेलन कक्ष में दोपहर 12:15 बजे हुई। इस दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त एएमएम नासिर उद्दीन भी मौजूद रहे। बांग्लादेश ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार जमात के छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सहायक महासचिव हमीदुर रहमान आजाद ने किया। अन्य सदस्यों में पार्टी नेता एडवोकेट अहसानुल महबूब जुबैर, एडवोकेट जसीम उद्दीन सरकार, एडवोकेट मतिउर रहमान अकांदा, मुबारक हुसैन और एडवोकेट मोहम्मद शिशिर मोनिर मौजूद रहे। सुप्रीम कोर्ट के अपीलीय डिवीजन ने रविवार को 2013 के हाई कोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें जमात के पंजीकरण को अवैध घोषित करते हुए रद्द कर दिया गया था।

प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एफआरयू स्थापित होंगे : स्वास्थ्य मंत्री सिंघल

गुवाहाटी (हिंस)। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री अशोक सिंघल ने सोमवार को गुवाहाटी स्थित राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कार्यालय में विभाग की कार्यप्रणाली की व्यापक समीक्षा की। बैठक में आयुक्त एवं सचिव पी अशोक बाबू और बर्नाली शर्मा, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान के आयुक्त-सचिव डॉ. सिद्धार्थ सिंह, स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशक डॉ. उमेश फांग्सो, परिवार कल्याण निदेशक कमलजीत तालुकदार और एनएचएम असम के कार्यकारी निदेशक डॉ. मनोज चौधरी समेत वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में योजनाओं के क्रियान्वयन, बुनियादी ढांचे के विकास और विशेष रूप से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति की समीक्षा की गई। मंत्री सिंघल ने राहत शिविरों में नियमित स्वास्थ्य जांच और आवश्यक दवाओं की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने डॉक्टरों, नर्सों और स्वास्थ्य कर्मियों से बाढ़ के दौरान और बाद में जलजनित व अन्य संक्रामक रोगों से निपटने के लिए सतर्क रहने को कहा। कोकराझाड़ और चिरांग जिलों के भारत-भूटान सीमा क्षेत्रों में मलेरिया नियंत्रण के प्रयासों की भी समीक्षा की गई। मंत्री ने बैठक में कई प्राथमिक क्षेत्रों की पहचान करते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने राज्य के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक *फास्ट रेफरल यूनिट (एफआरयू)* स्थापित करने को कहा, ताकि मातृ, शिशु और आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित की जा सकें। साथ ही, आयूष निदेशक को आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में नियमित योग प्रशिक्षण आयोजित करने और फिट इंडिया मूवमेंट के तहत सामुदायिक सहभागिता को प्रोत्साहित करने का निर्देश दिया। मंत्री सिंघल ने विभागीय प्रशासनिक एवं सूचना प्रणालियों के पूर्ण डिजिटलीकरण पर बल देते हुए राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों में आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही डॉक्टरों, नर्सों, आशा कार्यकर्ताओं और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों के लिए नियमित प्रशिक्षण और व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में राज्य में रक्त कोषों की वर्तमान स्थिति, आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और आयुष्मान असम-मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना की प्रगति की समीक्षा की गई। इसके अलावा, हाल ही में कोविड-19 संक्रमण में आई वृद्धि को देखते हुए आवश्यक सतर्कता बरतने पर भी चर्चा हुई। मंत्री सिंघल ने कहा कि संकट की घड़ी में, विशेषकर बाढ़ जैसी आपदा के समय, स्वास्थ्य सेवा वितरण में जन-केंद्रित और सक्रिय दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है।

डीआरआई ने त्रिपुरा में 7 करोड़ रुपए मूल्य की मेथमफेटामाइन गोलियां जब्त कीं, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली/अगलतरा (हिंस)। पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) में प्रतिबंधित दवाओं की तस्करी पर अंकुश लगाने के अपने अथक प्रयास में राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने त्रिपुरा में मेथमफेटामाइन गोलियों की एक बड़ी खेप की तस्करी को विफल कर दिया। डीआरआई ने त्रिपुरा में 7 करोड़ रुपए मूल्य की 7 किलोग्राम मेथमफेटामाइन गोलियां जब्त करके दो लोगों को गिरफ्तार किया है। वित्त मंत्रालय ने सोमवार को जारी एक बयान में बताया कि अगरतला क्षेत्रीय इकाई के डीआरआई अधिकारियों ने 28 बटालियन असम राइफल्स की सहायता से 31 मई की देर रात को एक मारुति वैगन-आर कार को रोका, जिसमें भारी मात्रा में मेथामफेटामाइन की गोलियां होने का संदेह था। अधिकारियों ने कार को तेलियामुरा के बाहरी इलाके में रोका, जब वह उत्तरी त्रिपुरा के धर्मनगर इलाके से आ रही थी और अगरतला, पश्चिमी त्रिपुरा की ओर जा रही थी। इस वाहन की तलाशी लेने पर बोनट के नीचे काउल-कवर के नीचे छिपाए गए ईंट के आकार के सात पैकेट बरामद किए गए।

मुख्यमंत्री शर्मा ने किया गरल दुर्गा मंदिर के मणिकूट निर्माण का शिलान्यास

आजरा पीएचसी को एंबुलेंस समर्पित

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज गुवाहाटी महानगर के गरल स्थित दुर्गा मंदिर के मणिकूट निर्माण का शिलान्यास किया और आजरा क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) के लिए एक एंबुलेंस औपचारिक रूप से समर्पित किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1927 में आध्यात्मिक दृष्टिकोण और सामाजिक मूल्यों के आधार पर स्थापित यह सामाजिक संस्था हर वर्ष मां महामाया दुर्गा देवी की पूजा-अर्चना के माध्यम से आध्यात्मिक और धार्मिक चेतना को बल देती आई है। उन्होंने उल्लेख किया कि केवल दो वर्षों में यह संस्था अपनी स्थापना का शताब्दी वर्ष मनाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि शताब्दी समारोह से पहले लगभग 2.20 करोड़ रुपए की लागत से मणिकूट निर्माण का कार्य शुरू किया जा रहा है, जो जनसहयोग से शीघ्र ही पूर्ण होगा। उन्होंने राज्य सरकार की ओर से मणिकूट निर्माण के लिए 25 लाख रुपए की राशि देने की घोषणा की और भविष्य में भी इस धार्मिक कार्यक्रम को समर्थन देने का आश्वासन दिया। दूसरी ओर, मुख्यमंत्री ने कहा कि नुमलीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड की सीएसआर योजना के तहत आजरा क्षेत्रवासियों को आपातकालीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए जो एंबुलेंस प्रदान की गई है, उसका संचालन आजरा पीएचसी द्वारा की जाएगी। प्रसंगवश उन्होंने उल्लेख किया कि लगभग 102 करोड़ रुपए की लागत से वर्तमान आजारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को जिला अस्पताल में उन्नत करने की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने यह भी कहा कि इस अस्पताल का निर्माणकार्य पूरा हो जाने के बाद, यह वृहत्तर क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में काफी सहायता प्रदान करेगा।

असम के मुख्यमंत्री ने की *शिशु साहित्य समग्र* की सराहना

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि शिशु साहित्य समाज का दर्पण है। यह बच्चों के मानसिक और बौद्धिक विकास को दिशा देता है और समाज को समझने-बूझने में उनकी सोच को गहराई प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि असम में बाल साहित्य को समृद्ध करने में कई प्रतिष्ठित साहित्यकारों का योगदान रहा है। मुख्यमंत्री ने सोमवार को जानकारी दी कि कल श्रद्धेय प्रफुल्ली तालुकदार ने उन्हें अपनी पुस्तक *शिशु साहित्य समग्र* की एक प्रति भेंट की। उन्होंने इस साहित्य को बच्चों के लिए अत्यंत मूल्यवान बताया और कहा कि यह पुस्तक निश्चित ही उनके लिए एक अमूल्य धरोहर साबित होगी। मुख्यमंत्री ने लेखिका को धन्यवाद् देते हुए अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों को इस प्रकार का साहित्य पढ़ने के लिए प्रेरित करें, जिससे उनका मानसिक और रचनात्मक विकास हो सके।

भारत और जापान के बीच समुद्री संबंधों को और मजबूत करने के लिए सार्थक वार्ता

गुवाहाटी /ओस्लो। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, जो वर्तमान में नॉर्वे की यात्रा पर हैं, ने आज ओस्लो में जापान के अंतर्राष्ट्रीय मामलों के उप मंत्री टेराडा योशिमीची के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। बैठक में जापानी शिपयार्ड द्वारा निवेश, बंदरगाह डिजिटलीकरण और हरित बंदरगाह पहल में सहयोग, अनुसंधान एवं विकास, मानव संसाधन कौशल संवर्धन, जापान में भारतीय नाविकों के रोजगार आदि सहित कई मुद्दों पर चर्चा की गई ताकि दोनों देशों के बीच समुद्री संबंधों को और मजबूत किया जा सके। दोनों मंत्रियों ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप द्वीप समूह को स्मार्ट द्वीपों में बदलने के लिए टिकाऊ प्रौद्योगिकियों, आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे और बेहतर कनेक्टिविटी पर भी चर्चा की। इस क्षेत्र में जापान की विशेषज्ञता अमूल्य है। हम अंडमान और निकोबार तथा लक्षद्वीप में संयुक्त कार्य की संभावनाओं को समझते हैं, विशेष रूप से नवीकरणीय ऊर्जा, स्मार्ट मोबिलिटी सिस्टम तथा डिजिटल अवसंरचना में सुरक्षा के क्षेत्र में। बैठक में भारत और जापानी शिपयार्ड के संबंध में साझेदारी बढ़ाने पर भी चर्चा हुई, जिसमें आंध्र प्रदेश में इमाबारी शिपयार्ड जैसे ग्रीनफील्ड निवेश शामिल हैं। बंदरगाहों और समुद्री औद्योगिक समूहों को स्वच्छ ऊर्जा केंद्रों के रूप में विकसित करने के अवसरों को भी पारस्परिक रूप से बढ़ाया जाएगा। सोनोवाल ने इमाबारी शिपबिल्डिंग, जेएमयूसी, कनागावा डॉकयार्ड तथा मित्सुबिशी हेवी इंडस्ट्रीज जैसी अग्रणी जापानी जहाज निर्माण कंपनियों के साथ बातचीत के बारे में भारत की रुचि व्यक्त की। सोनोवाल ने कहा कि हमने जापान की तीन सबसे बड़ी समुद्री कंपनियों-एनवाईके लाइन, एमओएल तथा के लाइन को भारत के बढ़ते समुद्री क्षेत्र में संयुक्त उद्यम तथा निवेश के अवसरों का पता लगाने के लिए आमंत्रित किया है। भारत और जापान के बीच संबंधों का एक लंबा इतिहास रहा है। क्वाड ढांचे तथा भारत-जापान-ऑस्ट्रेलिया आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन पहल (एससीआरआई) के तहत हमारा आपसी सहयोग समुद्री सुरक्षा तथा आर्थिक विकास को मजबूत करने के लिए हमारी द्विपक्षीय प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि भारत सोलर यूनिटी (आईएसए), आपदा रोधी अवसंरचना गठबंधन (सीडीआरआई) और उद्योग परिवर्तन के लिए नेतृत्व समूह (लीडआईटी) जैसी प्रमुख पहलों में जापानी नेतृत्व की सराहना करता है। *मैरीटाइम इंडिया विजन 2030* और *मैरीटाइम अमृत कल विजन 2047* के लिए भारत इन परिवर्तनकारी पहलों के शीघ्र कार्यान्वयन के लिए जापान के सहयोग की अपेक्षा करता है। दोनों पक्षों ने समुद्री क्षेत्र में, विशेष रूप से सतत समुद्री प्रौद्योगिकी और अगली पीढ़ी के जहाज डिजाइन के क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। सोनोवाल ने सहयोग के आशाजनक रास्ते प्रशस्त करने के उद्देश्य से कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल), भारतीय विश्वविद्यालयों और सार्वजनिक निकायों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) में भारत की रुचि व्यक्त की। भारत की मानव पूंजी को उन्नत करने और तैनात करने के बारे में, सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि भारत के पास वर्तमान में 154,000 से अधिक प्रशिक्षित नाविक हैं, जो जापान के समुद्री कार्यबल को और अधिक गतिशील बनाने में सक्षम हैं।

उद्योग बजट कार्यान्वयन पर मंत्री बिमल बोरा ने की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार के उद्योग, वाणिज्य एवं सार्वजनिक प्रतिष्ठान विभाग की 2025-26 के बजट कार्यान्वयन को लेकर विभागीय मंत्री बिमल बोरा की अध्यक्षता में सोमवार को जनता भवन स्थित कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मंत्री बोरा ने उद्योग विभाग को बजट में आवंटित धन के उपयुक्त उपयोग को लेकर अधिकारियों से रिपोर्ट ली। उन्होंने कहा कि बजट राशि का नियमानुसार उपयोग सुनिश्चित हो, इसके लिए विभागीय अधिकारियों को ठोस योजना बनानी होगी। इस बैठक में मिशन सद्भावना की जिलों में प्रगति, नई औद्योगिक नीति के कार्यान्वयन, केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के तहत प्लास्टिक पार्क योजना, अंतर्राष्ट्रीय अगर ट्रेड सेंटर, राज्य के कई औद्योगिक क्लस्टरों का ढांचागत विकास, ई-ओडीओपी, सीजीटीएमएसई के तहत एमएमएमई को समर्थन, एडवांटेज असम 2.0 के तहत हस्ताक्षरित एमओयू के क्रियान्वयन और मुख्यमंत्री आत्मनिर्भर असम मिशन की स्थिति पर विस्तृत चर्चा की गई। मंत्री बोरा ने कहा कि बजट की धनराशि योजनागत रूप से खर्च हो, इसके लिए उचित योजना बनाई जाए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि बजट का व्यय पारदर्शी और परिणाममूलक होना चाहिए। इस महत्वपूर्ण बैठक में उद्योग विभाग के विशेष सचिव राकेश अग्रवाल, आयुक्त ऐनाम चरण कुमार सिंह, असम औद्योगिक विकास निगम के प्रबंध निदेशक मानवेन्द्र प्रताप सिंह समेत विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

एजेपी नेता ने की रंगानदी परियोजना को तोड़ने की मांग

डिब्रूगढ़(हिंस)। असम जातीय परिषद (एजेपी) के अध्यक्ष लुरिनज्योति गोगोई ने रंगानदी परियोजना के कारण उत्पन्न भयावह बाढ़ की स्थिति को लेकर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के चलते अचानक आई बाढ़ से आम लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कई इलाकों में लोग अपने घरों से निकल भी नहीं पा रहे हैं और भारी क्षति हुई है। गोगोई ने कहा कि यह केवल 405 मेगावाट की जलविद्युत परियोजना की जलनिकासी का परिणाम है और इससे इतना नुकसान हो गया है, तो यदि इससे पांच गुना अधिक क्षमता वाली सुबनसिरी जलविद्युत परियोजना से पानी छोड़ा गया, तो उसका प्रभाव और भी भयावह होगा। उन्होंने नदी पर बांध बनाए जाने का तीव्र विरोध करते हुए कहा कि यह जनजीवन के लिए विनाशकारी सिद्ध हो सकता है।

गौरव गोगोई के होर्डिंग्स हटाने पर जीएमसी मेयर ने कहा, *अनुमति नहीं ली गई थी*

गुवाहाटी। गौरव गोगोई के असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालने से पहले, गुवाहाटी नगर निगम (जीएमसी) ने पूर्व अनुमति के अभाव का हवाला देते हुए सोमवार को शहर में कई कांग्रेस होर्डिंग्स हटा दिए। गुवाहाटी के मेयर मृगेन सरानिया ने कहा कि हमें जानकारी मिली है कि पार्टी ने नगर निगम से कोई अनुमति नहीं ली थी, इसलिए होर्डिंग्स हटा दिए गए। उन्हें आज दोपहर करीब 12 बजे आवश्यक अनुमति मिल गई। पूर्व मेयर कुशाल शर्मा ने फोन किया और हमने होर्डिंग्स लगाने की मंजूरी दे दी। सरानिया ने स्पष्ट किया कि जीएमसी को अनुमति देने में कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन उचित प्रक्रियाओं का पालन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि चूंकि कांग्रेस एक राष्ट्रीय पार्टी है और राज्य अध्यक्ष का दौरा हो रहा है, इसलिए उन्हें नियमों का पालन करना चाहिए। हमें उनसे कोई समस्या नहीं है - बस बात यह है कि उन्होंने पहले से अनुमति नहीं ली। इसलिए होर्डिंग्स उतार दिए गए। इससे पहले, नागांव में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) अध्यक्ष गौरव गोगोई के स्वागत में

लगे बैनर और पोस्टरों को नागांव नगर निगम बोर्ड द्वारा कथित तौर पर हटा दिए जाने पर कड़ी आपत्ति जताई थी। पार्टी के स्थानीय नेताओं ने दावा किया कि गौरव गोगोई के बैनर और पोस्टर हटाना उनके जिले के दौरे से पहले एक *पूर्व नियोजित कदम* था। एपीसीसी के उपाध्यक्ष नवज्योति तालुकदार ने इस कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हुए आरोप लगाया कि यह राजनीति से प्रेरित है और लोकतांत्रिक मूल्यों पर हमला है। तालुकदार ने गुवाहाटी में असम ट्रिब्यून से कहा कि हम नागांव नगर निगम बोर्ड द्वारा गौरव गोगोई के पोस्टर हटाने की कार्रवाई की पूरी तरह निंदा करते हैं।

राजभवन ने तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस मनाया

गुवाहाटी। सांस्कृतिक विविधता और राष्ट्रीय एकता के एक जीवंत उत्सव में, राजभवन असम ने आज यहां कॉटन यूनिवर्सिटी के केबीआर हॉल में तेलंगाना राज्य स्थापना दिवस मनाया। यह कार्यक्रम भारत सरकार की प्रमुख पहल एक भारत श्रेष्ठ भारत के हिस्से के रूप में आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य देश के विभिन्न राज्यों के बीच एक मजबूत बंधन को बढ़ावा देना है। राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर पर भाग लिया और एकता, गौरव और साझा विरासत के संदेश के साथ सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि 2 जून, 2014 से तेलंगाना की यात्रा साहस, आकांक्षा और उल्लेखनीय विकास की रही है। यह दिन न केवल एक राज्य के गठन की याद दिलाता है, बल्कि इसकी जीवंत संस्कृति, विरासत और इसके लोगों की अदम्य भावना का उत्सव भी है। श्री आचार्य ने रामप्पा मंदिर, चारमीनार और गोलकोंडा किले जैसे वास्तुशिल्प चमत्कारों से लेकर पेरिनी शिव तांडवम, कोलाटम और ओग्गू कथा जैसी लोक कलाओं तक तेलंगाना की समृद्ध सांस्कृतिक ताने-बाने पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे बथुकम्मा और बोनालू

जैसे त्यौहार महिलाओं के सशक्तीकरण का प्रतीक हैं और राज्य की गहरी जड़ें जमाए हुए सामुदायिक भावना को दर्शाते हैं। राज्यपाल ने तेलंगाना के उन महान व्यक्तित्वों के बारे में बात की जिन्होंने भारत की राष्ट्रीय पहचान को आकार दिया है, जिनमें पूर्व प्रधानमंत्री पीवी डॉ. नरसिम्हा राव, भारत रत्न जाकिर हुसैन और पीवी सिंधु जैसे खेल आइकन शामिल हैं। उन्होंने कहा कि उनका योगदान देश भर की पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। असम और तेलंगाना के बीच संबंधों पर विचार करते हुए राज्यपाल ने कहा कि भौगोलिक दूरी के बावजूद सांस्कृतिक रूप से समृद्ध दो राज्य सद्भाव, सहयोग और आपसी सम्मान के मूल्यों के माध्यम से निकटता से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह ब्रह्मपुत्र और गोदावरी भूमि और उसके लोगों को पोषण देते हैं, उसी तरह असम और तेलंगाना हमारे देश की विविधता में एकता के शक्तिशाली प्रतीक हैं। उन्होंने संत रामानुजाचार्य और महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की शिक्षाओं के बीच सार्थक समानताएं बताते हुए इस बात पर जोर दिया कि करुणा, समानता और सेवा के उनके संदेश आज के समाज में हमेशा प्रासंगिक बने रहेंगे। भारत के अमृत काल की ओर बढ़ने के साथ ही श्री आचार्य ने एक मजबूत और अधिक एकीकृत राष्ट्र के निर्माण में अंतर-राज्यीय सहयोग और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के महत्व को रेखांकित किया। तेलंगाना के पारंपरिक संगीत और नृत्य रूपों पर एक जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव बी. कल्याण चक्रवर्ती, आयुक्त और राज्यपाल के सचिव एसएस मीनाक्षी सुंदरम, ओएसडी राजभवन प्रो. डॉ. बेचन लाल, आईजीपी लॉजिस्टिक्स; प्रो. वी शिवप्रसाद गंजाला, कुलपति कॉटन विश्वविद्यालय रमेश चौधरी डेका, तेलुगु एसोसिएशन के अध्यक्ष श्रीनिवास रेड्डी सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

बाढ़ पीड़ितों के बीच पहुंचे भाजपा कार्यकर्ता जिलास्तर पर राहत समितियों के गठन का निर्देश

गुवाहाटी (हिंस)। लखीमपुर, कछार और चराइदेव सहित असम के कई जिलों में आई बाढ़ के मद्देनजर प्रदेश भाजपा ने अपने कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका निभाने और पीड़ितों के बीच राहत कार्यों में जुटने का निर्देश दिया है। प्रदेश भाजपा कार्यालय से जारी एक बयान में कहा गया कि राज्य इकाई ने सभी जिला समितियों को निर्देश भेजकर कहा है कि बाढ़ पीड़ितों को किसी प्रकार की राहत से वंचित न रहने देने के लिए प्रत्येक जिले में अलग-अलग राहत निगरानी समितियों का गठन किया जाए। प्रदेश से निर्देश मिलते ही बजाली, बिलासीपाड़ा, चराइदेव, दरंग, धुबड़ी, डिब्रूगढ़, गुवाहाटी, होजाई, कालियाबर, लखीमपुर, माजुली, नलबाड़ी, उत्तर कामरूप,

दक्षिण कामरूप और दक्षिण सालमारा-मानकाचर जिलों की समितियों ने राहत कार्य में तेजी लाते हुए रिपोर्ट राज्य कार्यालय को भेज दी है। प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने कहा कि राज्य के सभी स्तरों के कार्यकर्ताओं को सेवाभाव के साथ बाढ़ पीड़ितों के बीच जाकर उनकी मदद करनी चाहिए। साथ ही राहत एवं बचाव अभियानों में अपनी भूमिका निभाने का भी उन्होंने आह्वान किया।

अंतर्राष्ट्रीय ब्राह्मण दिवस के अवसर पर बंगाईगांव विप्र फाउंडेशन ने मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

बिजनी। अंतर्राष्ट्रीय ब्राह्मण दिवस के अवसर पर विप्र फाउंडेशन (मारवाड़ी ब्राह्मण समाज) बंगाईगांव द्वारा वर्ष 2024-25 में मेट्रिक तथा उच्चतर माध्यमिक परीक्षा सहित भिन्न भिन्न परीक्षाओं में अव्वल आएं विप्र समाज के मेधावी विद्यार्थियों के निवास स्थल पर जाकर उनके अभिभावकों की उपस्थिति में विप्र प्रतीक दुपट्टा, प्रशंसा पत्र और उपहार प्रदान करके उन्हें सम्मानित किया गया। इसमें दसवीं के परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने हेतु कृष शर्मा और मोहित पारीक को, बारहवीं के परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए गोरांग खंडेलवाल, हर्षिता शर्मा, लक्की तिवाड़ी और महक शर्मा को, सीए फाइनल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभम शर्मा को, एमबीए में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए खुशबू पुरोहित को और एमसीए में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए नेहा पारीक को सम्मानित किया गया। विप्र फाउंडेशन

(मारवाड़ी ब्राह्मण समाज) बंगाईगांव के अध्यक्ष नटवरलाल शर्मा की अगुवाई में आयोजित उक्त सम्मान कार्यक्रम में सभी विद्यार्थियों को आशीर्वाद देकर उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर संस्था के उपाध्यक्ष बरम प्रकाश शर्मा, संस्थापक सचिव एवं कार्यक्रम के परियोजना प्रभारी रामावतार पारीक, महासचिव सुनील कुमार शर्मा, संयुक्त सचिव बिमल शर्मा और धीरज शर्मा, कोषाध्यक्ष देवकिशन पुरोहित, सदस्य सोहन शर्मा, छीतरमल (अशोक) शर्मा, संजीव शर्मा (सोनू), बृजमोहन पंचारिया, प्रदीप पारीक, गौरीशंकर शर्मा, बिनोद खंडेलवाल और अमृत तिवाड़ी शामिल रहे। उक्त कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में अध्यक्ष नटवरलाल शर्मा, उपाध्यक्ष बरम प्रकाश शर्मा, परियोजना प्रभारी रामावतार पारीक और छीतरमल शर्मा (अशोक) का योगदान अहम रहा। वहीं कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने और उसे मूर्तरूप देने में संयुक्त सचिव धीरज शर्मा और सोहन शर्मा की ने अग्रणी भूमिका निभाई। सम्मान स्वीकार करते हुए विद्यार्थी एवं उनके परिजनों ने विप्र फाउंडेशन बंगाईगांव का आभार जताया। साथ ही बच्चों का हौसला अफजाई करने हेतु खुशी जताई साथ ही विप्र फाउंडेशन बंगाईगांव की भूरी भूरी प्रशंसा की।

संपादकीय

फैसलों की संवेदना

करवटें और कानून से सुशासन की डगर और चार कदम फैसलों के। जिसका इंतजार था वे सरकारी नौकरियां इस बार होम गाड्र्स के 700 पदों की फेहरिस्त बना चुकी हैं। हिमाचल मंत्रिमंडल ने इस बार बेरोजगार युवाओं के लिए होम गाड्र्स की वर्दी पहनने का मौका दिया, तो पंचायत सचिवों के 203 पद नियमित कर दिए यानी अब उनके हस्ताक्षर अपनी पगार में और सशक्त होंगे। जाहिर है इस साल पंचायत चुनाव आ रहे हैं। ग्रामीण जनता का मूड सरकार की गवाही में दिखाई देगा, तो आरक्षण रोस्टर पर निगाहें बदलेंगी। स्थानीय निकायों के सियासी खजानों पर सत्ता का प्रभाव किस करवट बैठता है या लोकतांत्रिक पद्धति की प्रथम सीढ़ी पर क्या फिजा बनती है, यह अब लगातार दिखाई देगा। सुलाह, भवारना, लंबागांव और भोरंज विकास खंडों का पुनर्गठन, भौगोलिक रेखाओं में विकास के मील पत्थर चुनने की हसरत है। मंत्रिमंडल के फैसलों में हिमाचल न अतीत में सामान्य था और न वर्तमान में रहना चाहता है। बुद्धिजीवियों और मध्यमवर्ग का प्रदेश हमेशा सरकारों से उम्मीद करता है, सच्ची मुद्रा में सुशासन की अपील करता है। ऐसे में सुक्खू सरकार के व्यवस्था परिवर्तन के हर दावे की वकालत में मंत्रिमंडल के फैसलों की तासीर देखी जाती है। आत्मनिर्भरता के प्रयासों में हर गुंजाइश देखी जाती है। इसलिए अगर मेडिकल कालेज टांडा व आईजीएमसी के सीनियर रेजिडेंट के काम को सुकून के दायरे में लाते हैं, तो कार्यसंस्कृति के मायनों में स्वास्थ्य सेवाओं में विश्वास लौटता है, लेकिन विभागीय रिक्तियों से कई चिकित्सा संस्थान परेशान हैं, तो इस दिशा में फैसलों की संवेदना का परिचय जरूरी हो जाता है। मुख्यमंत्री सुक्खू अपने कदमों की पैमाइश खुद करते हैं, फिर भी कई विभागों को अर्थपूर्ण व प्रासंगिक बनाने के लिए अब तो प्राथमिकताएं बदलनी होंगी। भौगोलिक व प्रशासनिक समानता की ओर एक और कदम लेते हुए कांग्रेस सरकार रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण यानी रेरा के दरवाजे धर्मशाला में खोल रही है। जाहिर है किसी कार्यालय के शिफ्ट होने से राजधानी का अपना 'स्पेस' प्रभावित होता है। नए निर्माण की नई पैमाइश में 'रेरा' अगर सशक्त रूप से चिन्हित होता है, तो हमें ऐसे बदलाव की संगत में पूरे टीसीपी विभाग को भी समीप लाना होगा। कार्यालयों का राजधानी से इतर जाना भौगोलिक जरूरत हो सकता है, लेकिन अब शिमला को 'राज्य राजधानी क्षेत्र' के रूप में पहचान कर भविष्य की अधोसंरचना से जोडऩा होगा। शिमला के साथ कम से कम आधा दर्जन उपग्रह नगरों, एक न्यू टाउनशिप या कर्मचारी नगर के अलावा सोलन जैसे समीपवर्ती शहर के साथ जोडक़र राजधानी की विरासत और दबाव को बांट देना चाहिए। लगातार तीन कार्यालय धर्मशाला शिफ्ट करते हुए सरकार एक नई पैमाइश भी कर रही है। यह पैमाइश वीरभद्र सिंह ने शुरू की थी और शांता व धूमल के दौर में भी अलग-अलग प्रसंगों में देखी गई और यही वजह है कि अब तपोवन विधानसभा परिसर अपनी उपस्थिति को साबित करते हुए हिमाचल को समग्रता से देखता है। ऐसे में कल कुछ और कार्यालय भले ही यहां का सफर तय करें, लेकिन केंद्रीय विश्वविद्यालय के सफर को अगर सरकार के चार कदम जदरांगल की बिखरी मिट्टी तक पूरा नहीं कर रहे, तो ये टेढ़े रास्ते हैं। इसी तरह पर्यटन निगम का मुख्यालय तो आ रहा है, लेकिन मंजूरशुदा कान्वेंशन सेंटर, यूनिटी माल और बस स्टैंड परियोजनाएं क्यों धूल चाट रही हैं। बेशक वर्तमान सरकार के फैसले कठिन आर्थिक सतह पर आसान नहीं, लेकिन निवेश के दायरों में प्रदेश को भविष्य का एक बड़ा भाग निजी क्षेत्र के लिए सुनिश्चित कर देना होगा।

ग्रामीण जनता का मूड सरकार की गवाही में दिखाई देगा, तो आरक्षण रोस्टर पर निगाहें बदलेंगी। स्थानीय निकायों के सियासी खजानों पर सत्ता का प्रभाव किस करवट बैठता है या लोकतांत्रिक पद्धति की प्रथम सीढ़ी पर क्या फिजा बनती है, यह अब लगातार दिखाई देगा। सुलाह, भवारना, लंबागांव और भोरंज विकास खंडों का पुनर्गठन, भौगोलिक रेखाओं में विकास के मील पत्थर चुनने की हसरत है। मंत्रिमंडल के फैसलों में हिमाचल न अतीत में सामान्य था और न वर्तमान में रहना चाहता है। बुद्धिजीवियों और मध्यमवर्ग का प्रदेश हमेशा सरकारों से उम्मीद करता है, सच्ची मुद्रा में सुशासन की अपील करता है। ऐसे में सुक्खू सरकार के व्यवस्था परिवर्तन के हर दावे की वकालत में मंत्रिमंडल के फैसलों की तासीर देखी जाती है। आत्मनिर्भरता के प्रयासों में हर गुंजाइश देखी जाती है। इसलिए अगर मेडिकल कालेज टांडा व आईजीएमसी के सीनियर रेजिडेंट के काम को सुकून के दायरे में लाते हैं, तो कार्यसंस्कृति के मायनों में स्वास्थ्य सेवाओं में विश्वास लौटता है, लेकिन विभागीय रिक्तियों से कई चिकित्सा संस्थान परेशान हैं, तो इस दिशा में फैसलों की संवेदना का परिचय जरूरी हो जाता है। मुख्यमंत्री सुक्खू अपने कदमों की पैमाइश खुद करते हैं, फिर भी कई विभागों को अर्थपूर्ण व प्रासंगिक बनाने के लिए अब तो प्राथमिकताएं बदलनी होंगी। भौगोलिक व प्रशासनिक समानता की ओर एक और कदम लेते हुए कांग्रेस सरकार रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण यानी रेरा के दरवाजे धर्मशाला में खोल रही है।

आप का नजरीया

जीडीपी विकास दर के मायने

वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी, अंतिम तिमाही (जनवरी-मार्च) में देश की आर्थिक विकास दर 7.4 फीसदी रही। बेशक यह कई अपेक्षाओं और अनुमानों से परे मानी जा सकती है, लेकिन यह अभूतपूर्व नहीं है। कुल वित्त वर्ष की विकास दर 6.5 फीसदी रही है, यह पुष्टि भारत सरकार के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने की है। यदि वस्तुओं, सेवाओं और वेल्यू एडिड के तौर पर लगाए गए करों को हटा लिया जाए, तो चौथी तिमाही की विकास दर 6.8 फीसदी रह जाएगी। विकास की गति दूसरी छमाही के दौरान तेजी से बढ़ी, अलबत्ता दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में विकास दर 5.6 फीसदी तक लुढक़ गई थी। समग्रता में देखें, तो भारतीय अर्थव्यवस्था की बढ़ोतरी 2024-25 के दौरान धीमी, मंद रही है, लिहाजा चौथी तिमाही के आंकड़ों पर गालबजाई नहीं करनी चाहिए। फिर भी भारतीय रिजर्व बैंक और विश्व की आर्थिक एजेंसियों ने 2024-25 के दौरान हमारी आर्थिक विकास दर 6.2 फीसदी से 6.4 फीसदी तक ही आंकी थी। यह दर भी विश्व में सबसे तेज अर्थव्यवस्था की ओर संकेत करती है। औद्योगिक उत्पादन के क्षेत्र में, खासकर मैन्यूफैक्चरिंग में, तेजी से गिरावट देखी गई है। 2024-25 के दौरान मार्च तिमाही में इस क्षेत्र में 4.8 फीसदी की दर से बढ़ोतरी दर्ज की गई। पिछली तिमाही में यह वृद्धि 3.6 फीसदी थी, जबकि एक साल पहले यह दर 12.3 फीसदी थी। यह चिंताजनक फासला माना जा सकता है। बीते वित्त वर्ष में कृषि क्षेत्र ने नए आयाम स्थापित किए। मौसम माकूल रहा, जलाशयों में पानी भरा रहा, किसानों को उनकी फसलों के दाम अच्छे और ज्यादा मिले, लिहाजा किसानों ने फसलों की ज्यादा बुआई की। बड़े खेतों में फसल लगाई। नतीजा यह रहा कि चौथी तिमाही में कृषि विकास दर 5.4 फीसदी रही। पूरे वित्त वर्ष की कृषि विकास दर 4.6 फीसदी रही। यह लंबे समय तक की औसतन दर से अधिक है। यह बढ़ते ग्रामीण उपभोग और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की सुखद व्याख्या करती है, लेकिन भारत के ज्यादातर किसान आज भी गरीब और कर्जदार हैं। प्रधानमंत्री मोदी इस संदर्भ में अपना वायदा अब तो पूरा करें। इस तिमाही में निर्माण क्षेत्र में 10.8 फीसदी की दर से विस्तार हुआ, हालांकि एक साल पहले इस क्षेत्र की विकास दर 8.7 फीसदी थी। खनन क्षेत्र, सेवा क्षेत्र और सार्वजनिक प्रशासन, रक्षा आदि क्षेत्रों में भी विकास दर्ज किया गया है। दरअसल 2023-24 में जीडीपी 9.2 फीसदी की दर से बढ़ी थी। विशेषज्ञों का मानना है कि सामान्य निर्यात में गिरावट और औद्योगिक गतिविधियों में सुस्ती का असर कुल अर्थव्यवस्था पर साफ दिखाई देता है। विशेषज्ञों का यह भी आकलन है कि मार्च तिमाही में अर्थव्यवस्था का मजबूत प्रदर्शन स्पष्ट करता है कि घरेलू मांग, निवेश, बचत आदि में बढ़ोतरी हुई है। अप्रैल, 2025 में 26,632 करोड़ रुपए का निवेश हुआ। यह किसी एक माह में सबसे बड़ा निवेश है। रिजर्व बैंक की ताजा रपट के मुताबिक, 2023-24 में घरेलू नेट वित्तीय बचत 5.1 फीसदी पर पहुंच गई थी, जो पिछले साल 4.9 फीसदी थी। यह आंकड़ा देश की आर्थिक सेहत के लिए सकारात्मक संकेत है। अब भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन गया है।

वामपंथी उग्रवादियों (एलडब्ल्यूई) को दुनिया भर में माओवादी और भारत में नक्सलवादी के नाम से जाना जाता है

लाल आतंक के गढ़ में लहरा रहा तिरंगा

डॉ. आशीष वशिष्ठ

चार दशक से ज्यादा समय तक नक्सलवाद का शिकार रहे छत्तीसगढ़ का बस्तर जिले को अब वामपंथी उग्रवादियों (एलडब्ल्यूई) जिले की सूची से बाहर कर दिया गया है। अपने आप में ये बड़ी खबर है। दरअसल मोदी सरकार का लक्ष्य है कि मार्च 2026 तक भारत पूरी तरह से नक्सल मुक्त हो जाए। गृह मंत्री अमित शाह भी कई बार सार्वजनिक मंच से इस बात को दोहरा चुके हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अगस्त 2024 और दिसंबर 2024 में छत्तीसगढ़ के रायपुर और जगदलपुर आए थे। वे यहां अलग-अलग कार्यक्रमों में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने अलग-अलग मंचों से नक्सलियों को चेताते हुए कहा था कि हथियार डाल दें। हिंसा करोगे तो हमारे जवान निपटेंगे। वहीं उन्होंने एक डेडलाइन भी जारी की थी कि 31 मार्च 2026 तक पूरे देश से नक्सलवाद का खात्मा कर दिया जाएगा। शाह के डेडलाइन जारी करने के बाद से बस्तर में नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन काफी तेज हो गए हैं। नक्सलवाद शब्द की उत्पत्ति पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव से हुई है। इसकी शुरुआत स्थानीय जमींदारों के खिलाफ विद्रोह के रूप में हुई, जिन्होंने भूमि विवाद को लेकर एक किसान की पिटाई की थी। यह आंदोलन जल्द ही पूर्वी भारत के छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश जैसे कम विकसित क्षेत्रों में फैल गया। वामपंथी उग्रवादियों (एलडब्ल्यूई) को दुनिया भर में माओवादी और भारत में नक्सलवादी के नाम से जाना जाता है। वे सशस्त्र क्रांति के माध्यम से भारत सरकार को उखाड़ फेंकने और माओवादी सिद्धांतों पर आधारित साम्यवादी राज्य की स्थापना की वकालत करते हैं। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और केरल राज्यों को वामपंथी उग्रवाद प्रभावित माना जाता है। देश में भाजपा सरकार बनने के बाद 2015 में नक्सलवाद के खिलाफ विशेष अभियान चलाने की नीति बनाई गई। तत्कालीन गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने 8 सूत्रीय समाधान एक्शन प्लान बनाया। इसमें नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई और नक्सली इलाकों में विकास के काम एक साथ किए गए। नक्सलियों के खिलाफ राज्य सरकारों के विशेष बल, केंद्रीय सुरक्षा बलों, पुलिस ने मिलकर कार्रवाई की। इससे नक्सली घटनाओं में जबरदस्त कमी आयी। 2010 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने जिसे भारत की सबसे बड़ी आंतरिक सुरक्षा चुनौती कहा था, वही नक्सलवाद अब खत्म होता दिख रहा है। नक्सलियों ने नेपाल के पशुपति से आंध्र प्रदेश के तिरुपति तक एक रेड कॉरिडोर स्थापित करने की योजना बनाई थी। 2013 में लगभग 126 जिलों में नक्सली सक्रिय थे। वर्तमान में नक्सलवाद से सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों की संख्या 12 से घटकर 6 हो गई।

गृह मंत्री अमित शाह भी कई बार सार्वजनिक मंच से इस बात को दोहरा चुके हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अगस्त 2024 और दिसंबर 2024 में छत्तीसगढ़ के रायपुर और जगदलपुर आए थे। वे यहां अलग-अलग कार्यक्रमों में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने अलग-अलग मंचों से नक्सलियों को चेताते हुए कहा था कि हथियार डाल दें। हिंसा करोगे तो हमारे जवान निपटेंगे। वहीं उन्होंने एक डेडलाइन भी जारी की थी कि 31 मार्च 2026 तक पूरे देश से नक्सलवाद का खात्मा कर दिया जाएगा। शाह के डेडलाइन जारी करने के बाद से बस्तर में नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन काफी तेज हो गए हैं। नक्सलवाद शब्द की उत्पत्ति पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव से हुई है।

इनमें छत्तीसगढ़ के चार जिले- बीजापुर, कांकेर, नारायणपुर और सुकमा, झारखंड का एक जिला- पश्चिमी सिंहभूम और महाराष्ट्र का एक जिला- गढ़चिरौली शामिल है। वर्ष 2025 में सुरक्षाबलों के ऑपरेशन में अब तक 287 नक्सली मारे जा चुके हैं। वहीं 865 ने समर्पण किया है और 830 गिरफ्तार हुए हैं। गत 21 मई को सुरक्षाबलों ने अबूझमाड़ में डेढ़ करोड़ के इनामी नंबला केशव उर्फ बसवराज को मार गिराया था। वह तीन दशक से सक्रिय था। इसे नक्सलियों का हाफिज सईद भी कहा जाता है। नक्सलियों के सरदार बसवा राजू के ढेर होने के बाद माओवादियों का हौसला पस्त हो गया है। इस बड़े एनकाउंटर के बाद दक्षिण बस्तर डिवीजन में 4 हार्डकोर नक्सलियों सहित 18 माओवादियों ने सरेंडर किया था। इसी तरह बीजापुर में 32 और तेलंगाना में 86 नक्सलियों ने सरेंडर किया था। बासव राजू की मौत के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने भी एक्स पर लिखा था कि महासचिव स्तर के बड़े नक्सली नेता को मारा गया है। इस कामयाबी को हासिल करने वाला 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' भी सुर्खियों में है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक नक्सलवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के चलते वर्ष 2025 में अब तक 90 नक्सली मारे जा चुके हैं, 104 को गिरफ्तार किया गया है और 164 ने आत्मसमर्पण किया है। वर्ष 2024 में 290 नक्सलियों को न्यूट्रलाइज़ किया गया था, 1090 को गिरफ्तार किया गया और 881 ने आत्मसमर्पण किया था। अभी तक कुल 15 शीर्ष नक्सली नेताओं को न्यूट्रलाइज़ किया जा चुका है। वर्ष 2004 से 2014 के बीच नक्सली हिंसा की कुल 16,463 घटनाएं हुई थीं, जबकि मोदी सरकार के कार्यकाल में 2014 से 2024 के बीच हिंसक घटनाओं की संख्या 53 प्रतिशत घटकर 7,744 रह गई हैं। इसी प्रकार, सुरक्षाबलों की मृत्यु की संख्या 1851 से 73 प्रतिशत घटकर 509 रह गई और नागरिकों की मृत्यु की संख्या 70 प्रतिशत की कमी के साथ 4766 से 1495 रह गई है। वर्ष 2014 तक कुल 66 फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशन थे जबकि मोदी सरकार के पिछले 10 साल के कार्यकाल में इनकी संख्या बढ़कर 612 हो गई है। इसी प्रकार, 2014 में देश में 126 ज़िले नक्सल प्रभावित थे, लेकिन 2024 में सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या घटकर मात्र 12 रह गई है। पिछले 5 वर्षों में कुल 302 नए सुरक्षा कैंप और 68 नाइट लैंडिंग हेलीपैड बनाए गए हैं। नक्सली हिंसा में 2010 में 720 नागरिक मारे गए। 2024 में मरने वालों की संख्या घटकर 131 हो गई। नक्सली हिंसा में 2010 में 1005 नागरिक और सुरक्षा बल मारे गए। 2024 में 150 नागरिक और सुरक्षा बल मारे गए। यानि कि मरने वालों की संख्या में 85 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। नक्सली आर्थिक ढांचे जैसे कि रेलवे प्रॉपर्टी, पब्लिक और प्राइवेट सेक्टर की इकाइयों, टेलीफोन एक्सचेंज, मोबाइल टॉवर, सड़क, स्कूल को निशाना बनाते रहे हैं। पर पिछले कुछ साल से इन घटनाओं में कमी आई है। 2010 में हमले की ऐसे 365 मामले थे, जो 2024 में घटकर 25 रह गए। पिछले एक दशक में मिली सफलता का श्रेय सुरक्षा रणनीति के साथ ही विकास योजनाओं में आई तेजी को भी जाता है। सरकार ने लक्षित विकास योजनाएं चलाईं, जिनसे लोगों का भरोसा दोबारा जीता जा सका। सड़क और मोबाइल नेटवर्क जैसी बुनियादी सुविधाओं में काफी सुधार हुआ है। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के कामों ने स्थानीय लोगों के दिलों में जगह बनाई है। वहीं, 'रोशनी योजना' ने आदिवासी युवाओं को कौशल विकास और रोजगार प्राप्त करने में मदद की है। केंद्र सरकार ने साफ कर दिया है कि वह उन मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के दबाव में नहीं आएगी, जो बंदूक उठाने वाले माओवादी उग्रवादियों का समर्थन करते हैं। पिछले एक दशक से सरकार ने माओवाद के खिलाफ एक मजबूत और बहुआयामी रणनीति अपनाई है, जो अब काफी असरदार साबित हो रही है। गृह मंत्रालय की 2017 में शुरू की गई 'समाधान' रणनीति ने जमीन पर बड़ा फर्क डाला है। इसमें सुरक्षा संबंधी कार्ययोजना के साथ-साथ विकास से जुड़ी पहल भी शामिल है। नक्सलियों के खिलाफ अभियान मोदी सरकार की दृढ़ इच्छा शक्ति का प्रतीक है। इस से पहले कोई सरकार ऐसी इच्छाशक्ति दिखा नहीं पाई। ध्यान इस बात का रखना होगा क़ि नक्सलवाद फिर सिर न उठा पाए, इसके लिए प्रभावित इलाकों में अगला चरण लोकोन्मुखी सरकार, भूमि अधिकार, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और आर्थिक उत्थान पर फोकस होना चाहिए। जमीनी लड़ाई में जीत केवल आधी सफलता है, अगला फोकस नक्सलियों के पुनर्वास और उन्हें मुख्यधारा में शामिल करने पर होना चाहिए। जिस तरह मोदी सरकार नक्सली समस्या को खत्म काने क़ि दिशा मे तेज़ी से बाद रही है उम्मीद है क़ि वो 2026 में समस्या के स्थायी समाधान के साथ देश के सामने गर्व से खड़ीं होगी।

देश दुनीया से

ऑपरेशन सिंदूर : सैन्य-कूटनीतिक विजय

भारत ने सदैव पड़ोसी देशों के साथ शांति और सहयोग की नीति का पालन किया है जिसकी जड़ें महात्मा बुद्ध के अहिंसा और करुणा के दर्शन में निहित हैं। महात्मा बुद्ध ने कहा था कि 'अहिंसा परमो धर्मः', किंतु उन्होंने यह भी स्पष्ट किया था कि धर्म की रक्षा के लिए उचित प्रतिकार आवश्यक है। इतिहास साक्षी है कि 26/11 के मुंबई आतंकी हमले से लेकर पुलवामा हमले तक, भारत ने अंतरराष्ट्रीय दबावों के बावजूद संयम बरता। किंतु जब पाकिस्तानी सेना ने पीओके में आतंकी प्रशिक्षण शिविर सक्रिय किए, तो भारत के पास प्रतिशोध के अलावा कोई विकल्प नहीं रहा। आतंकवादियों ने जिस तरह से घूमने गए पर्यटकों की हत्या की, उससे हर एक शांतिप्रिय भारतीय का खून खौल उठा! ऑपरेशन सिंदूर इसी सिद्धांत का प्रतिबिंब है- शांति का प्रयास पहले, किंतु आक्रामकता का दृढ़ता से प्रत्युत्तर। किंतु पाकिस्तान ने बार-बार इस सद्भावना का दुरुपयोग करते हुए आतंकवाद को हथियार बनाया। 1965, 1971 और 1999 के युद्धों में मिली करारी हार के बावजूद, उसकी विघटनकारी मंशा अबाधित रही। 'ऑपरेशन सिंदूर' ने न केवल इन नापाक मंसूबों को ध्वस्त किया, बल्कि यह स्पष्ट संदेश दिया कि भारत अब प्रत्युत्तर में कोई कोताही नहीं बरतेगा। यह अभियान भारत की सैन्य सामथ्र्य, कूटनीतिक कुशलता और वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतिबिंब है। सराहनीय है कि इस मुद्दे पर पूरा राष्ट्र एकजुट होकर खड़ा दिखाई दिया। 6 मई को भारतीय सेना ने पाक-अधिकृत कश्मीर स्थित आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करते हुए उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया।

प्रत्युत्तर में पाकिस्तान ने 500 से अधिक ड्रोन, मिसाइलें और भारी गोलाबारी का सहारा लिया, किंतु भारतीय सैनिकों की रणनीति और साहस के आगे उसकी हर चाल विफल रही। पहले ही दिन भारत ने उसके चार प्रमुख वायु ठिकानों को नष्ट कर दिया तथा 100 से अधिक आतंकियों को ढेर कर दिया। अंतरराष्ट्रीय नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए पाकिस्तान ने नागरिक क्षेत्रों को निशाना बनाया, किंतु उसकी यह कायरतापूर्ण कार्रवाई भी उसे मुंह की खाने से न बचा सकी। मात्र चार दिनों के भीतर पाकिस्तान को युद्धविराम के लिए विवश होना पड़ा, जो भारत की शर्तों पर स्वीकार किया गया। इसके तहत सिंधु जल संधि को बरकरार रखते हुए व्यापार प्रतिबंध जारी रखने तथा कूटनीतिक संबंधों को स्थगित करने जैसे निर्णय शामिल हैं। साथ ही, पाकिस्तानी नागरिकों को भारत से मिलने वाली सभी सुविधाएं समाप्त कर दी गईं। यह रणनीति पाकिस्तान को वैश्विक स्तर पर अलग-थलग करने में सक्षम है। इसी कड़ी में, भारत ने पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाने हेतु एक व्यापक कूटनीतिक अभियान चलाया। सात सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडलों को अमरीका, ब्रिटेन, फ्रांस, रूस, यूएई और दक्षिण अफ्रीका सहित 33 देशों में भेजा गया। शशि थरूर, रविशंकर प्रसाद, अनुराग ठाकुर और सलमान खुर्शीद जैसे वरिष्ठ नेताओं के नेतृत्व में ये प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान के आतंकी चरित्र को उजागर करने तथा भारत की जीरो टॉलरेंस नीति को रेखांकित करने में सफल रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने राफेल लड़ाकू विमानों और एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी से अपनी सैन्य शक्ति को नई ऊंचाइयां प्रदान की हैं। ऑपरेशन सिंदूर इस बात का ज्वलंत प्रमाण है कि भारत आतंकवाद के प्रति कोई सहनशीलता नहीं दिखाएगा तथा किसी भी प्रकार की आक्रामकता का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है। पाकिस्तान को यह समझ लेना चाहिए कि भारत की शांतिप्रियता उसकी दुर्बलता नहीं, बल्कि उदारता का प्रतीक है। ऑपरेशन सिंदूर ने उसकी सैन्य और कूटनीतिक अक्षमता को बेनकाब करते हुए भारत की सशक्त छवि को पुनः प्रतिष्ठित किया है। हालांकि, भविष्य में चीन द्वारा पाकिस्तान को दिए जा रहे खुले समर्थन जैसी चुनौतियां चिंता का विषय बनी हुई हैं। रक्षा विश्लेषकों का मानना है कि भारत को अपनी साइबर सुरक्षा और अंतरिक्ष युद्ध क्षमताओं को मजबूत करना होगा। भारत को अपनी सुरक्षा एवं कूटनीतिक तैयारियों में किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरतनी चाहिए। यह अभियान न केवल वर्तमान में भारत के बढ़ते प्रभुत्व का द्योतक है, बल्कि भावी पीढियों के लिए एक प्रेरक गाथा भी है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत ने यह सिद्ध कर दिया कि वह न केवल अपने नागरिकों की सुरक्षा के प्रति समर्पित है, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता का भी संरक्षक है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है कि आधुनिक युद्ध केवल सैन्य बल तक सीमित नहीं, बल्कि तकनीकी वर्चस्व पर भी निर्भर करते हैं। भारत को अब अपनी वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी क्षमताओं को स्वदेशी आधार पर विकसित करने की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। रक्षा क्षेत्र से लेकर अंतरिक्ष तकनीक तक, हमें विदेशी निर्भरता कम करते हुए मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करना होगा। पाकिस्तान को अब समझ लेना चाहिए कि आतंकी गतिविधियां चलाकर, भारत को नुकसान पहुंचा कर, उसका भला होने वाला नहीं है। वह रक्षा बजट में भले ही बढ़ोतरी कर ले, लेकिन विकास कार्यों के लिए उसके पास पाई तक भी नहीं बचेगी।

कुछ अलग

मुद्दे के खून में सिंदूर

अचानक मुद्दों ने उछलना बंद कर दिया। विपक्ष की निगरानी में अनेकों मुद्दे असहाय हो चुके थे। सारा का सारा स्टॉक खराब हो रहा था। इन्हें उछालने के प्रयास में देश का विपक्ष कमजोर हो रहा था। किसी ने राय दी कि मुद्दों की झाडफ़ूंक कराई जाए। किसी ने कहा इन्हें चिट्टा सुंघाया जाए। जनता चाहती थी कि विपक्ष का कहना मानकर मुद्दे उछलते रहें, लेकिन मुद्दों के सामने विपक्ष की बोलती बंद हो रही थी। हद तो यह कि आबकारी नीति का विरोधी मुद्दा भी उछलने में असमर्थ पाया गया। कानून व्यवस्थआ का मुद्दा पुलिस की तरह 'सीन' से ही गायब रहने लगा था। विपक्ष उसे जगा रहा था, लेकिन वह शहरी कानून व्यवस्था की तरह लंबी तान के सोने लगा था। दरअसल जनता ने सत्ता पक्ष को ही इतना ऊपर उछाल दिया था कि सारे मुद्दे जमीं पर लेट गए थे। इधर विपक्ष इस ताक में था कि कोई मुद्दा खुद ही उछल कर सरकार से ऊपर तक पहुंच जाए। विपक्ष ने मुद्दों के ढेर के सामने खुद को किसी तरह खड़ा करके पूछा, 'भाई क्यों साथ नहीं दे रहे हो। देश की खातिर तुम्हीं हो जो उछल कर कुछ कर सकते हो।' मुद्दे सहम थे, दरअसल उनकी रगों से खून चूसा जा चुका था। एक मुद्दा बिल्कुल सफेद था, देखने में अंग्रेज था। पूछते ही बोला, 'मैं किसान के दूध का मुद्दा हूं, मेरा खून पीने वाले नकली दूध बेच रहे हैं और इधर मैं बेजान-शर्मसार सफेद हो गया।' एक मुद्दा बिल्कुल गटर था। सफाई कर्मी की तरह भयभीत था, 'कहीं गहरे में सियासत की सीवरेज में गिरा, तो मुफ्त में मारा जाऊंगा।' तीसरा गैस का गोला था। जोर-जोर से डकार मार रहा था, लेकिन बता कुछ नहीं पा रहा था। विपक्ष को लगा काम का मुद्दा है, 'सत्ता के सामने दो-चार डकार मार दिए तो काम चल जाएगा।' आश्चर्य यह कि यह मीडिया का काम कर रहा था। अपने ही काम की गैस से परेशान था। मीडिया की तरह इस मुद्दे को भी मालूम नहीं था कि वह किस खेत की मूली है, लेकिन सत्ता की मूलियां खाकर डकार मार रहा था। निराश विपक्ष में मुद्दे उछालने की रही सही ताकत जवाब दे रही थी, लेकिन जैसे ही वह आगे बढ़ा, उसने देखा, सामने कोने में कुछ मुद्दे यूं ही उछल रहे थे। मरे हुए मुद्दों के बीच इनका उछलना विपक्ष के सोये हुए खून को सहारा दे गया। विपक्ष खुश था कि अब उसका काम ये मुद्दे करेंगे, लेकिन अब चिंता यह थी कि इन्हें काबू कैसे किया जाए। विपक्ष ने खुद को एकजुट करने के लिए बैठक बुलाई। सभी विपक्षी दल खुद को बचाने के लिए उछलते मुद्दों के करीब एकसाथ बैठे। मुद्दा मंत्रणा का समूचा विपक्ष गवाह बना, लेकिन अब हिस्सेदारी और मुद्दों की टेरिटेरी का प्रश्न भी उछल गया। सबसे बड़ी पार्टी ने कई मुद्दों पर अपना हक जताया, 'हमें हर उछलती शह को अपने दरबार में रखने का तजुर्बा है। हमारे नेता बातों-बातों में इसलिए उछलते रहते हैं।' तभी दूसरी पार्टी ने एक उछलते मुद्दे पर हाथ रख कर कहा, 'देखो हमने इसे कैसे हथिया लिया। है कोई माई का लाल जो इसे हमसे छुड़ा सके।' यह देखते ही विपक्ष में छीना-झपटी और फिर भगदड़ मच गई। हर पार्टी कोई न कोई उछलता मुद्दा उठाना चाहती थी, लेकिन मुद्दे उनके कद से ऊपर उठकर उछल रहे हैं।

दृष्टि कोण

अब तीसरी बड़ी आर्थिकी की डगर

हाल ही में 24 मई को नीति आयोग ने बताया कि जापान को पीछे छोड़ते हुए भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और आगामी 2.5 से 3 सालों में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में रेखांकित होते हुए भी दिखाई दे सकेगा। इस परिप्रेक्ष्य में उल्लेखनीय है कि 26 मई को दुनिया के ख्याति प्राप्त अरबपति निवेशक मार्क मोबियस ने कहा कि जापान को पछाड़ते हुए चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना भारत की एक अविश्वसनीय उपलब्धि है। वास्तव में भारत के विश्व की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में आगे बढने के पीछे जो प्रमुख कारण हैं, उनमें 140 करोड़ की जनसंख्या, देश के मध्यम वर्ग की बढ़ती क्रयशक्ति, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दूरदर्शी नेतृत्व और मजबूत आर्थिक नीतियां शामिल हैं। साथ ही इस समय भारत जिस ऊंची विकास दर और आर्थिक रणनीति के साथ आगे बढ़ रहा है, उससे भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनते हुए भी दिखाई देगा। गौरतलब है कि दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की डगर पर भारत को कई चुनौतियों से मुकाबला करते हुए आगे बढऩा होगा। वैश्विक व्यापार तनाव, टैरिफ में हुई बढ़ोतरी, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान तथा बढ़ते हुए व्यापार घाटे जैसी चुनौतियों से भारत को निपटना होगा। खास तौर से भारत के द्वारा व्यापार घाटे पर नियंत्रण के लिए रणनीतिपूर्वक आगे बढऩा जरूरी है। चीन से वर्ष-प्रतिवर्ष तेजी से बढ़ते हुए आयातों को नियंत्रित करना होगा। हाल ही में प्रकाशित नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक चीन के साथ द्विपक्षीय कारोबार में भारत लगातार घाटे की स्थिति में बना हुआ है। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में चीन को भारत का निर्यात 14.5 प्रतिशत घटकर 14.25 अरब डॉलर रह गया, जबकि 2023-24 में यह 16.66 अरब डॉलर था। इतना ही नहीं, चिंताजनक यह भी है कि चीन से 2024-25 में आयात 11.52 प्रतिशत बढक़र 113.45 अरब डॉलर हो गया, जबकि 2023-24 में यह 101.73 अरब डॉलर था। चीन के साथ व्यापार घाटा पिछले वित्त वर्ष में करीब 17 प्रतिशत बढक़र 99.2 अरब डॉलर हो गया, जो 2023-24 में 85.07 अरब डॉलर था। चीन 2024-25 में 127.7 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार के साथ भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहा। दोनों देशों के बीच 2023-24 में 118.4 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार हुआ था। चीन पर निर्भरता कम करने के जो रणनीतिक कदम उठाए गए हैं, उनका अभी जमीनी तौर पर कोई विशेष असर नहीं दिखा है। इस परिप्रेक्ष्य में उल्लेखनीय है कि 26 मई को प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात के दाहोद में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमें आयातित वस्तुओं की खरीदी की बजाय देश में उत्पादित उत्पादों को खरीदने का संकल्प लेना चाहिए। यह देश की प्रगति के लिए जरूरी है। निश्चित रूप से इस समय सूक्ष्म, लघु और मझौले उद्यम (एमएसएमई) देश को तीसरी बड़ी आर्थिकी बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे। जहां एमएसएमई देश से निर्यात बढ़ाने में नई भूमिका निभा सकते हैं, वहीं आयात नियंत्रण में भी मददगार हो सकते हैं। इस समय नए व्यापार युग के बदलाव के दौर में भारत के एमएसएमई के लिए चुनौतियों के बीच दुनिया में आगे बढऩे के ऐतिहासिक अवसर भी हैं और ये उद्योग वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि टैरिफ वार से एमएसएमई क्षेत्र को जो झटका लग रहा है, उस झटके से एमएसएमई को उबारने के लिए जहां एक ओर सरकार के द्वारा एमएसएमई के समक्ष दिखाई दे रही चुनौतियों के समाधान के लिए रणनीति बनाकर निर्यातकों को सहारा देना होगा, वहीं एमएसएमई क्षेत्र के उद्यमियों और निर्यातकों को भी नई चुनौतियों के मद्देनजर तैयार होना होगा। निःसंदेह देश को तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में भारत की नई वैश्विक व्यापार रणनीति अहम होगी। भारत के द्वारा विगत 6 मई को ब्रिटेन के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौते के बाद अब अमरीका और यूरोपीय यूनियन के साथ मुक्त व्यापार समझौतों को 31 दिसंबर 2025 तक पूर्ण किए जाने के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढऩा होगा।

केंद्र व प्रदेश सरकार की नीतियों से हर वर्ग खुश राजनीति में कार्यकर्ता सबसे अहम : कुलदीप बिश्नोई

रोहतक (हिंस)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं हिसार के पूर्व लोकसभा सांसद कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार ने अनेक जनहित में योजनाएं लागू की है और आज हर वर्ग सरकार से पूरी तरह से खुश है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश लगातार विश्व गुरू बनने की और अग्रसर है। भाजपा नेता कुलदीप बिश्नोई सोमवार को गढ़ी सांपला किलोई हल्के के गांव चमारियां में संदीप हुड्डा के आवास पर पहुंचे और पुराने कार्यकर्ताओं का कुशलक्षेम जाना। साथ ही उन्होंने ग्रामीणों की भी समस्याएं सुनी। उन्होंने कहा कि कार्यकर्त्ता ही पार्टी की रीढ़ की हड्डी होते है और राजनीति में असल नई ऊर्जा का मुख्य स्त्रोत भी कार्यकर्ता ही होते है। उन्होंने कहा कि रोहतक जिले के साथ उनका पुराना लगाव है और वह हमेशा कार्यकर्त्ताओं के साथ है। साथ ही कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री स्व. चौधरी भजनलाल ने हरियाणा को विकास की नई ऊचांईयों पर ले जाने का काम किया है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता है। आज भी प्रदेश की जनता चौधरी भजनालाल द्वारा किए गए विकास कार्यो को याद करती है, जोकि अपने आप में एक मिशाल है। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्त्ताओं द्वारा कुलदीप बिश्नोई का जोरदार स्वागत भी किया गया। इस अवसर पर विधायक रणधीर पनिहार, संदीप पूर्व मंत्री कृष्ण मूर्ति हुड्डा, योगेन्द्रनाथ मल्होत्रा, रॉकी राव, रमेश गुलिया, साहिल बंसल, डॉ. राजेश सैनी, गोरा पंकज, डब्बू त्यागी, विपिन बुद्विाराजा, अशोक रोहिल्ला, सुरेन्द्र गोयल, मुकेश सरोहा, सौरभ जैन, जगजीत डागर, संदीप वर्मा प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

बिना किसी कारण फाइलें अटकायी तो नपेंगे अधिकारी, कर्मचारी

गुरुग्राम (हिंस)। बिना किसी कारण के लोगों की फाइलें अटकाने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए खतरे की घंटी बज रही है। गुरुग्राम नगर निगम के आयुक्त ने कहा है कि अगर बिना किसी कारण के किसी भी अधिकारी या कर्मचारी ने फाइलों को अटकाया तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। अगर कोई आवेदन को रिवर्ट, रिजेक्ट या लंबित रखा जाता है तो उसका ठोस कारण होना चाहिए। निगमायुक्त प्रदीप दहिया सोमवार को अपने कार्यालय में प्रॉपर्टी टैक्स कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। निगमायुक्त ने निर्देश दिए कि अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि किसी भी आवेदन को तय समय सीमा से अधिक लंबित न रखा जाए। उन्होंने यह भी कहा कि निगम की छवि को नुकसान पहुंचाने वाली किसी भी कोताही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि जो कर्मचारी काम में कोताही बरतते हैं, वे संभल जाएं और समय पर कार्य करने की आदत डालें।

कांस्टेबल की हत्या के मुख्य आरोपी डंपर चालक ने कोर्ट में किया सरेंडर

जोधपुर (हिंस)। कमिश्नरेट के लूणी थाना क्षेत्र में अवैध बजरी खनन के खिलाफ कार्रवाई के दौरान पुलिस कांस्टेबल सुनील खिलेरी की डंपर से कुचलकर हत्या के मामले में मुख्य आरोपी डंपर चालक राणाराम ने सोमवार को जोधपुर की एक कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया। उसे कोर्ट ने अग्रिम जांच के लिए पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी पर बीस हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। इस मामले में पुलिस द्वारा एक सरपंच पति समेत चार आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। दरअसल गत 25 मई की सुबह लूणी थाना पुलिस की टीम को खेजड़ली कला इलाके में अवैध बजरी खनन की सूचना मिली थी। टीम मौके पर पहुंची तो सरपंच पति हापुराम और उसके साथी जेसीबी से बजरी डंपर में भरवा रहे थे। पुलिस को देखकर डंपर चालक राणाराम डंपर लेकर भाग निकला। पुलिस ने डंपर का पीछा किया। इसी दौरान सफेद कार में सवार रविंद्र गोदारा ने पुलिस को धमकी दी कि डंपर का पीछा न करें, लेकिन पुलिस ने पीछा जारी रखा। गुलजी की प्याऊ के पास कच्ची सड़क पर पहुंचकर बदमाश राणाराम डंपर में भरी बजरी खाली करने लगा। उसके रुकते ही कांस्टेबल सुनील खिलेरी ने डंपर को पकडने की कोशिश की। तभी चालक राणाराम ने डंपर को तेजी से टर्न लिया और कांस्टेबल सुनील खिलेरी को कुचल दिया। डंपर का पिछला पहिया उनके पेट और पैरों के ऊपर से गुजर गया। गंभीर रूप से घायल सुनील को तत्काल एमडीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां तीन दिन तक इलाज के बाद 27 मई की रात उनकी मौत हो गई। तब पुलिस ने मामले में हत्या की धारा जोड़कर शेष आरोपियों की तलाश में छापेमारी अभियान चला रखा था। घटना के बाद हरकत में आई पुलिस ने सरपंच पति हापुराम बिश्नोई, रविंद्र गोदारा, सागर सैन और महेंद्र डूडी को गिरफ्तार किया। इन सभी को कोर्ट में पेश कर तीन दिन की रिमांड पर लिया गया। इसके साथ ही पुलिस ने मौके से एक जेसीबी मशीन और 1240 टन अवैध बजरी का स्टॉक भी जब्त किया।

हाईकोर्ट में 30 जून तक ग्रीष्मावकाश की छुट्टी, एक जुलाई को कोर्ट खुलेगी

प्रयागराज (हिंस)। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी इलाहाबाद हाईकोर्ट में ग्रीष्मावकाश की छुट्टी हो गई है। आज के सिविल मामलों की अर्जेंट सुनवाई के लिए केवल दो ही अदालतें बैठी थीं। एक दो जजों की पीठ बैठी, दूसरी एक जज की पीठ बैठी रही। ग्रीष्मावकाश में केवल अर्जेंट केस ही सुने जाते हैं। इन दिनों उन्हीं केस की सुनवाई कोर्ट करती है, जिसकी सुनवाई जुलाई में रेगुलर कोर्ट के सामने तक नहीं टाला जा सकता है। इसी प्रकार हाईकोर्ट में कुछ कोर्ट क्रिमिनल केसों की सुनवाई के लिए बैठी है। सिविल मामलों से क्रिमिनल केसों का दाखिला ज्यादा रहता है। इस कारण क्रिमिनल साइड में केसों की सुनवाई के लिए ज्यादा जज बैठे हैं। हाईकोर्ट में अवकाश के चलते अधिकांश न्यायाधीश छुट्टियां मनाने बाहर चले जाते हैं। अधिवक्ता भी हाईकोर्ट में छुट्टी के कारण या तो शहर से बाहर अपने अपने जिलों में चले जाते हैं अथवा अन्यत्र कहीं घूमने निकल जाते हैं।

पेपर लीक प्रकरण पर बनाई वेब सीरिज, 6 जून को पहला चेप्टर होगा रिलीज : बीकानेर में किया पोस्टर जारी

बीकानेर (हिंस)। राजस्थान में पेपर लीक प्रकरण पर जोधपुर के मॉडल-एक्टर श्रवण चौधरी ने *पेपर लीक* तैयार की है। छह एपिसोड की यह वैब सीरिज राजस्थानी भाषा में 6 जून को स्टेज राजस्थानी ओटीटी पर रिलीज होगी। इसका टीजर लांच हो गया है और दर्शकों की सराहना मिल रही है। पहला चेप्टर शुक्रवार को रिलीज होगा। श्री शुभम पिक्चर्स के तले बनी वेब सीरिज के प्रोड्यूसर और मॉडल-एक्टर श्रवण चौधरी ही इसमें लीड किरदार में नजर आएंगे। वहीं मुख्य हिरोइन भोजपुरी फिल्मों की एक्ट्रेस संचिता बनर्जी होंगी। उनके दोस्त की भूमिका में बॉलीवुड कलाकार अवि राखेचा हैं। श्रवण चौधरी ने पत्रकारों को बताया कि यह वेब सीरीज राजस्थानी भाषा में रिलीज की जाएगी। इसमें दिखाया गया है कि किस तरह स्कूल की कक्षा पास करने के लिए पेपर चुराने वाले दो बच्चे राजस्थान में पेपर लीक करने वाला गिरोह खड़ा कर इसे माफिया बिजनेस बना देते हैं। साथ ही पेपर लीक से परीक्षाएं रद्द होने के फैसले का स्टूडेंट्स और उनके परिवार वालों पर पड़ने वाले असर को भी दिखाया जाएगा। खुशाल सिंह राठौड़ के निर्देशन में बनी इस फिल्म में टीवी और बॉलीवुड के कई सितारे नजर आएंगे। शूटिंग जोधपुर सहित प्रदेश के विभिन्न शहरों में हुई है। श्रवण चौधरी ने बताया की राजस्थानी भाषा और संस्कृति को आगे बढ़ाना मुख्य उद्देश्य है। इसलिए इस वेब सीरीज को राजस्थानी भाषा में लांच किया है, इस काम को राजस्थानी स्टेज एप बखूबी निभा रही हैं और राजस्थान की प्रतिभाओं को शानदार अवसर भी दे रहे हैं जिसके लिए वे विनय, प्रवीण और स्टेज एप की पूरी टीम को धन्यवाद देते हैं।

प्रशासनिक कार्यप्रणाली में लाएं तेजी : जिला कलेक्टर

जोधपुर (हिंस)। जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल ने सोमवार को मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर में साप्ताहिक समीक्षा बैठक के दौरान सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को कहा कि वे अपने विभागीय कार्यों में डिजिटल तकनीक का अधिकतम उपयोग करें। उन्होंने कहा कि विभागीय योजनाओं, सेवाओं और जनशिकायतों के त्वरित समाधान के लिए ऑनलाइन पोर्टल्स एवं मोबाइल एप्स के माध्यम से कार्यप्रणाली को मजबूत किया जाए। उन्होंने स्पष्ट रूप से निर्देश दिए कि ई फाइल प्रणाली के अंतर्गत चल रही सभी फाइलों का नियत समय में निस्तारण अनिवार्य किया जाए। फाइलों का अनावश्यक रूप से लंबित रहना प्रशासनिक शिथिलता और उदासीनता को दर्शाता है और इसे हर स्तर पर रोका जाना चाहिए। ई-गवर्नेंस के तहत पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है। अग्रवाल ने विशेष रूप से संपर्क पोर्टल 2.0 एप के प्रभावी उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि अधिकारी अपने-अपने विभागों में दर्ज प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग करें। उन्होंने कहा कि नियमित समीक्षा एवं सतत निगरानी से ही समस्याओं का त्वरित समाधान और जनविश्वास संभव है। उन्होंने जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति और जनशिकायतों के समाधान को गंभीरता से लेने का संदेश देते हुए कहा कि जनता को योजनाओं का वास्तविक लाभ तभी मिल पाएगा जब विभागीय समन्वय प्रभावी हो और सभी अधिकारी संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। बैठक में न्यायालयों में लंबित अवमानना प्रकरणों, मुख्यमंत्री एवं वीआईपी प्रकोष्ठ के निर्देशों, मानवाधिकार आयोग की रिपोर्टों और अंतर्विभागीय समन्वय से जुड़े विषयों की भी गहन समीक्षा की गई। जिला कलक्टर ने इन सभी मामलों में समयबद्ध और ठोस कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में आगामी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 की रूपरेखा एवं तैयारियों पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

जेएनवी विश्वविद्यालय : पेंशनर्स की मांगों की नहीं हो रही सुनवाई, सिर का मुंडन करवाया

जोधपुर (हिंस)। जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के पेंशनधारकों का धरना आज सोमवार को भी जारी रहा। वह बकाया पेंशन की मांग को लेकर यहां करीब दो सप्ताह से धरने पर बैठे है। इधर अब तक उनकी मांगों को लेकर सुनवाई नहीं होने पर आज पेंशनर्स ने विरोध स्वरूप अपने सिर का मुंडन करवाना शुरू कर दिया है। पहले दिन आज कुछ पेंशनर्स ने अपना मुंडन करवाने के बाद कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन उनकी मांगों को लेकर सुनवाई नहीं कर रहा है। जेएनवी विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त पेंशनर्स को लंबे समय से पेंशन का भुगतान नहीं हो रहा है, जिसके विरोध में सोमवार को 16वें दिन भी धरना जारी रहा। पेंशनर्स ने कुलपति कार्यालय के समक्ष अपना आक्रोश प्रकट किया। जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय पेंशनर्स सोसाइटी के अध्यक्ष प्रोफेसर रामनिवास शर्मा व सचिव डॉ. लोकेंद्र सिंह शक्तावत और पेंशनर्स संघर्ष समिति संयोजक अशोक व्यास ने बताया कि जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय में लंबे समय से पेंशन का भुगतान नहीं होने से आक्रोशित वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स जेएनवीयू परिसर में धरना दे रहे हैं। पेंशनर्स संघर्ष समिति के संयोजक अशोक व्यास ने कहा कि समय पर पेंशन न मिलने से पेंशनर्स मानसिक और आर्थिक संकट झेल रहे हैं। पेंशनर्स को लम्बे समय से पेंशन न मिलने के कारण अब उनका धैर्य जवाब देने लगा है। उन्होंने कुलाधिपति एवं राज्यपाल, मुख्यमंत्री और विश्वविद्यालय प्रशासन से बकाया पेंशन का जल्द भुगतान कराने की गुहार लगाई। पेंशनर्स सोसायटी ने मांग की है कि अजा-जजा महिला छात्राओं की फीस माफी का पुनर्भरण और विवि की अधिग्रहित भूमि की राशि का भुगतान राज्य सरकार करें। साथ ही कॉलेज शिक्षा निदेशालय की तरह पेंशन भुगतान की व्यवस्था की जाएं।

राजस्थान पुलिस का सुरक्षा चक्र अभियान का आगाज

जयपुर (हिंस)। राजस्थान पुलिस की ओर से सुरक्षा चक्र अभियान का आगाज किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं को निशुल्क (सेल्फ डिफेंस)आत्मरक्षा जुडो कराटे, मार्शल आर्ट जैसी मजबूत विधाओं की जानकारी दी गई। तीसरी बटालियन राजस्थान सशस्त्र दल (आरएसी) बीकानेर की कमांडेंट सीमा हिंगोनिया ने बताया कि राजस्थान पुलिस का *सुरक्षा चक्र* अभियान का आगाज किया गया और सुरक्षा चक्र पोस्टर विमोचन पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सागर द्वारा किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्कूली विद्यार्थियों कक्षा (6-12)के छात्र-छात्राओं को नि:शुल्क (सेल्फ डिफेंस)आत्मरक्षा जुडो कराटे, मार्शल आर्ट जैसी मजबूत विधाओं की जानकारी देना है और साथ ही वर्तमान तकनीकी युग में युवा वर्ग में जागरूकता के अभाव में किशोरों में बढ़ रहे अपराधों की जानकारी देना है। इसके अलावा (लड़ाई झगड़े, आत्महत्या, हत्या, बलात्कार, छेड़खानी, चोरी) अपराधों के प्रकार, कारण, परिणाम, प्रभाव व उनसे बचाव के उपायों और अपराध संबंधित कानूनों की जानकारी उपलब्ध कराना है। साथ ही पॉस्को एक्ट, जस्टिस जुवेनाइल एक, आईटी एक्ट 2000, सायबर अपराध यातायात नियम, रैंगिग और ज्यादा से ज्यादा जागरूकता, सतर्कता और सजगता फैलाना भी है। जिससे युवाओं में मजबूती, आत्मबल, आत्मसुरक्षा और आत्मविश्वास की भावना विकसित होगी। इस सुरक्षा चक्र अभियान के जरिए अपराध मुक्त और सशक्त युवा पीढ़ी बनने से देश के लिए मजबूत और सुरक्षित भविष्य की बुनियाद का निर्माण हो सकेगा। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षक दल आत्मरक्षा (सेल्फ डिफेंस टीम) प्रभारी और रोटरी क्लब जयपुर निदेशक डॉ पल्लवी सहित उनकी सहायक टीम शिहान हेमंत कुमार, संदाई इंद्रा कुमारी, संदाई सुन्दर लाल, सेंसई विकास जांगिड़, सेंसई अभिषेक कारडिया, सेंसई चिन्मय तारवान, सेम्पई राहुल वर्मा, सेम्पई रिद्धिमा कुमारी के द्वारा तीन दिवसीय प्रशिक्षण आरएसी कमांडो टीम को दिया गया।

लॉ एंड ऑर्डर से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं, हर जिले में शांति व्यवस्था करेंगे सुनिश्चित : डीजीपी

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (कार्यवाहक) राजीव कृष्ण ने सोमवार को पुलिस मुख्यालय में प्रेसवार्ता की। उन्होंने सबसे पहले कहा कि विश्व के सबसे बड़े पुलिस बल का नेतृत्व प्रदान करते हुए मुझ पर विश्वास जताने के लिए मैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। यह एक बड़ी जिम्मेदारी है और मैं उत्तर प्रदेश पुलिस को उत्कृष्टता की अभूतपूर्व ऊंचाइयों की ओर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हूं। उन्होंने कहा कि पिछले आठ सालों में मुख्यमंत्री के नेतृत्व में पुलिसिंग की दिशा स्पष्ट रही है। जीरो टालरेंस की नीति के तहत अपराध और अपराधियों के खिलाफ एक अडिग रुख बनाए रखेंगे। संगठित अपराध के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। यह नीति हमारी कानून प्रवर्तन रणनीति की आधारशिला होगी, जिसका उद्देश्य सभी नागरिकों के लिए एक सुरक्षित वातावरण बनाना है। उन्होंने कहा कि सभी रूपों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की रोकथाम और समाधान पर विशेष जोर दिया जाएगा। हमारी पहल महिलाओं को सशक्त बनाने और उनकी सुरक्षा और संरक्षा की भावना को बढ़ाने की दिशा में होगी। जन शिकायतों का सफल समाधान हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। हम हर स्तर पर सभी शिकायतों से निपटने में बहुत सहानुभूतिपूर्ण और संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाएंगे, यह सुनिश्चित करते हुए कि नागरिकों की आवाज सुनी जाए और उसका तुरंत समाधान किया जाए। डीजीपी ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि कानून और व्यवस्था को बिगाड़ने की कोशिश करने वाले किसी भी व्यक्ति के प्रति बिल्कुल भी सहनशीलता नहीं बरती जाएगी। हम हर कीमत पर कानून के शासन को बनाए रखेंगे, राज्य के हर हिस्से में शांति व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। डीजीपी ने कहा कि हाल के वर्षों में विशेष कर कोविड के बाद से साइबर अपराध नागरिकों के लिए एक महत्वपूर्ण खतरे के रूप में उभरा है। उत्तर प्रदेश पुलिस ने इसकी रोकथाम और पता लगाने के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत करके जवाब दिया है। साइबर खतरों से आगे रहने के लिए उन्नत तकनीकों का लाभ उठाते हुए इसे समय के साथ और मजबूत किया जाएगा। उत्तर प्रदेश पुलिस में दी जाने वाली पुलिस सेवाओं के दायरे और वितरण में और सुधार किया जाएगा। हम सुनिश्चित करें कि हमारी सेवाएं नागरिकों की जरूरतों के हिसाब से सुलभ कुशल और उत्तरदायी हो। उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े पुलिस बल के रूप में, हमारे कर्मियों के काम को प्रभावित करने वाले प्रशासनिक और कल्याणकारी मुद्दों पर विशेष जोर दिया जाएगा। हम पुलिस कल्याण को प्राथमिकता देंगे, यह सुनिश्चित करते हुए कि हमारे कर्मी अपने कर्तव्यों के निर्वहन में प्रेरित रहे। पुलिसिंग के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त कई प्रतिभाशाली पुलिस अधिकारी व कर्मी है। उनके कौशल और ज्ञान की पहचान की जाएगी और उपरोक्त सभी लक्ष्यों को बेहतर बनाने के लिए उनका उपयोग किया जाएगा, जिससे बल के भीतर उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमारे संचालन की दक्षता और प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी, विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का व्यापक उपयोग किया जाएगा। एआई हमारे उद्देश्यों को लागू करने में एक गेम चेंजर साबित होगा, जिससे हम डेटा. संचालित उचित निर्णय लेने और अपने संसाधनों के उपयोग करने में सक्षम होंगे। आगे डीजीपी ने कहा कि निरंतर प्रशिक्षण ही एकमात्र आधार है, जिस पर किसी भी संगठन की गुणवत्ता में सुधार किया जा सकता है। दिन प्रतिदिन की चुनौतियों का सामना करने में, इस महत्वपूर्ण पहलू को अक्सर इसका उचित महत्व नहीं दिया जाता है। मेरा प्रयास होगा कि सेवाकालीन प्रशिक्षण को उच्च प्राथमिकता वाला क्षेत्र बनाया जाए ताकि नागरिकों को बेहतर सेवाएं प्रदान की जा सकें। आखिरी में डीजीपी ने कहा कि उपरोक्त 10 बिंदु उत्तर प्रदेश पुलिस के लिए एक प्रकाश स्तंभ के रूप में कार्य करेंगे, और मुझे विश्वास है कि बल के सभी सदस्य इनमें से प्रत्येक को प्राप्त करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देंगे।

मायावती के बरसाती मेंढ़क शब्द पर चंद्रशेखर आजाद ने जताई आपत्ति

लखनऊ (हिंस)। आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष और सांसद चंद्रशेखर आजाद को बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती के बरसाती मेंढ़क शब्द पर बेहद आपत्ति है। सांसद चंद्रशेखर आजाद ने सोमवार को कहा कि बसपा प्रमुख बहन जी को अपना नेता मानता रहा हूं, लेकिन उन्होंने इस तरह के शब्द का उपयोग क्यों किया। बहन जी को दलितों के लिए संघर्ष करते हुए देखा हूं, उनका सम्मान करता हूं। आखिर उनकी क्या मजबूरी थी, जो उन्हें बरसाती मेंढ़क शब्द का उपयोग करना पड़ा। आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर ने आकाश आनंद पर टिप्पणी करते हुए पत्रकारों से कहा कि वर्तमान समय में जिस नेता की बहन जी की तारीफ कर रही हैं। वह आकाश आनंद वर्ष 2022 के चुनाव के वक्त एवं 2024 के चुनाव के वक्त भी चुनाव प्रबंधन देख रहे थे। उनके होने से बहुजन समाज पार्टी के चुनाव परिणाम पर क्या असर हो गया।

एनटीपीसी कहलगांव में बालिका सशक्तिकरण अभियान का शुभारंभ

भागलपुर (हिंस)। एनटीपीसी कहलगांव द्वारा अपने नैगम सामाजिक दायित्व के अंतर्गत संचालित बालिका सशक्तिकरण अभियान का सोमवार विधिवत शुभारंभ किया गया। यह एक माह की आवासीय कार्यशाला 28 जून 2025 तक आयोजित की जा रही है। जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों की 120 बालिकाएं सहभागिता कर रही हैं, जिनमें से 100 बालिकाएं बिहार के भागलपुर जिले तथा 20 बालिकाएं झारखंड के गोड्डा जिले से चयनित की गई हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन संदीप नायक कार्यकारी निदेशक एनटीपीसी कहलगांव के द्वारा किया गया। अपने संबोधन में परियोजना प्रमुख ने एनटीपीसी की जनहितकारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए कहा कि मैं सभी अभिभावकों को यह भरोसा दिलाना चाहता हूं कि जब ये बालिकाएं इस प्रशिक्षण के उपरांत घर लौटेंगी, तो वे आत्मविश्वासी, कुशल और सोचने-समझने की बेहतर क्षमता से युक्त एक बदली हुई पहचान के साथ वापस आएंगी। इस कार्यक्रम में औपचारिक शिक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य, पोषण, व्यक्तिगत स्वच्छता, योग, खेलकूद, आत्मरक्षा, संवाद कौशल, संगणक प्रशिक्षण, डिजिटल साक्षरता एवं रोजगार उन्मुख मार्गदर्शन जैसे विविध विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। साथ ही समूह कार्य, समस्या-समाधान, पर्यावरणीय चेतना एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति जैसे सत्रों के माध्यम से बालिकाओं के समग्र विकास को सुनिश्चित किया जा रहा है। इस अवसर पर संदीप नायक ने बालिका शिक्षा एवं सशक्तिकरण को लेकर एनटीपीसी की पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की योजनाएं समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। बालिका सशक्तिकरण अभियान एनटीपीसी लिमिटेड की एक प्रमुख सीएसआर योजना है। यह अभियान देशभर में स्थित अनेक एनटीपीसी परियोजनाओं पर सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है।

बिजली संकट से नाराज ग्रामीणों ने किया सड़क जाम, प्रशासनिक विफलता का लगाया आरोप

नवादा (हिंस)। अनियमित बिजली आपूर्ति और घंटों बाधित बिजली सेवा से नाराज ग्रामीणों का गुस्सा सोमवार को फूट पड़ा। जिले में पकरीबरावां प्रखंड अंतर्गत दोस्तलीबीघा पंचायत के लोगों ने सोमवार को पकरीबरावां बाजार में मुख्य सड़क को जाम कर दिया। जाम के साथ ही विरोध प्रदर्शन एक घंटा तक जारी रहा। जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। आम जनजीवन पूरी तरह अस्तव्यस्त हो गया। जाम में फंसे बच्चे चीख पुकार मचा रहे थे। ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में न तो बिजली नियमित रहती है और न ही वोल्टेज की स्थिति संतोषजनक है। रविवार की शाम से ही आपूर्ति पूरी तरह ठप है, जिससे लोगों को पीने के पानी से लेकर दैनिक जरूरतों तक में भारी परेशानियों झेलनी पड़ रही है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में जरूरत से कम क्षमता का ट्रांसफार्मर लगाया गया है और लोड अधिक होने के कारण आए दिन आपूर्ति बाधित हो जाती है। इस दौरान ग्रामीणों ने बिजली विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की। ग्रामीण आरोप लगा है कि जिलाधिकारी को भी इसकी सूचना दी गई। बावजूद समस्या के निदान की दिशा में किसी तरह का सार्थक कदम नहीं उठा या जा सका। जो प्रशासनिक विफलता का परिणाम है। इधर, सड़क जाम की सूचना मिलते ही पकरीबरावां थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शनकारियों को समझा-बुझाकर शांत कराया। पुलिस अधिकारियों ने लोगों को आश्वासन दिया कि जल्द ही बिजली समस्या का स्थायी समाधान किया जाएगा। हालांकि स्थानीय प्रशासन और बिजली विभाग की ओर से अबतक कोई ठोस पहल नहीं की गई है, जिससे क्षेत्र में नाराजगी व्याप्त है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि समस्या का समाधान शीघ्र नहीं किया गया, तो वे बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। ग्रामीणों का आरोप लगा है कि सरकारी खर्च पर जनरेटर की मजा ले रहे अधिकारियों को किसानों की तनिक भी चिंता नहीं है। अपने मौज मस्ती में व्यस्त हैं। अपने जिम्मेवारियों का पालन नहीं कर रहे हैं। अधिकारियों पर नौकरी की घड़ियां गिन शुभ लाभ का भी आरोप लगाया गया है।

भारत-ओमान व्यापार समझौते पर जल्द ही अच्छी खबर आएगी : पीयूष गोयल

नई दिल्ली

फ्रांस की यात्रा पर गए केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को पेरिस में टोटल एनर्जीज के चेयरमैन और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पैट्रिक पॉयने से यहां मुलाकात की। इस दौरान पैट्रिक पॉयने ने भारत के लिए कंपनी की निवेश योजनाओं और अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में गहन सहयोग के अवसरों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत और ओमान के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत आगे बढ़ रही है। इस पर कुछ अच्छी खबर बहुत जल्द आ सकती है।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने सीईओ पैट्रिक पॉयने से मुलाकात के दौरान भारत के लिए कंपनी की निवेश योजनाओं और अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में गहन सहयोग के अवसरों पर चर्चा की। वह 3 जून को विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की एक लघु-मंत्रिस्तरीय बैठक में भी भाग लेंगे।इसके बाद गोयल ने पत्रकारों से कहा, ''मुझे लगता है कि ओमान एफटीए पर आपको बहुत जल्द ही अच्छी खबर सुनने को मिलेगी।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए फ्रांसी नेताओं और कारोबारियों से बातचीत करने के लिए आधिकारिक यात्रा पर यहां आए हैं। इस साल जनवरी में गोयल की मस्कट यात्रा के बाद वार्ता को बहुत ज़रूरी प्रोत्साहन मिला। उन्होंने कहा कि ओमान भारत के लिए खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) देशों में तीसरा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है। भारत का पहले से ही एक अन्य जीसीसी सदस्य यूएई के साथ ऐसा ही समझौता है, जो मई, 2022 में लागू हुआ। आधिकारिक तौर पर व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपी) के रूप में नामित इस समझौते के लिए वार्ता औपचारिक रूप से नवंबर 2023 में शुरू हुई। उन्होंने कहा कि कहा, ''ये समझौते दोनों पक्षों के लिए बाजार खोलने की दिशा में हैं, जिससे सभी प्रक्रियाओं में प्रतिस्पर्धात्मकता, उत्पादकता और दक्षता बढ़ेगी।'' वाणिज्य मंत्री ने बताया कि बजट में घोषित राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन जल्द ही शुरू हो सकता है।

न्यूज ब्रीफ

अनिल अंबानी की कंपनियों ने एक महीने में ही निवेशकों को दिया अच्छा रिटर्न, मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज को करना पड़ रहा है चुनौतियों का सामना

मुंबई। अनिल अंबानी और मुकेश अंबानी दोनों दुनिया के दिग्गज कारोबारियों में शामिल हैं। कुछ समय

पहले अनिल अंबानी लगातार नुकसान में जा रहे थे और बड़े भाई मुकेश अंबानी की कंपनियों में तेजी देखी जा रही थी। लेकिन इस समय अनिल अंबानी की प्रतिष्ठित कंपनियों में तेजी देखने को मिल रही है, जबकि मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। अनिल अंबानी की कंपनियों ने एक महीने के भीतर अच्छे रिटर्न प्रदान किए हैं। रिलायंस पावर ने 125 फीसदी का रिटर्न दिया है, जबकि रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर ने 90 फीसदी रिटर्न दिया है और रिलायंस होम फाइनेंस ने 50 फीसदी रिटर्न दिया है। अनिल अंबानी का इस प्रतिस्पर्धात्मक माहौल में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। वहीं मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज को एक साल में 6 फीसदी की गिरावट का सामना करना पड़ रहा है। यह चुनौती के समय की निशानी हो सकती है जो इस बढ़ते हुए बिजनेस जंग में किसी के भी जीत पर सवाल उठा सकती है। मुकेश अंबानी को अपने कंपनी को पुनर्विचार करने की आवश्यकता हो सकती है ताकि वह अपनी स्थिति को सुधार सकें और दुविधाओं का सामना कर सकें।

यश बैंक ने 10 से 12 प्रतिशत की वृद्धि लक्ष्य निर्धारित किया

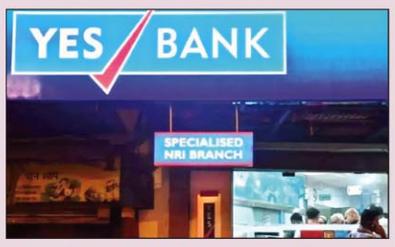

नई दिल्ली। तकनीक और वितरण क्षमता मजबूत करने के लिए ध्यान केंद्रित करने पर यस बैंक ने वित्त वर्ष 2026 में वृद्धि दर को तेज करने की योजना बनाई है। यह नीति अनुशासित तरीके से लागू की जाएगी। बैंक ने 10 से 12 प्रतिशत की वृद्धि लक्ष्य निर्धारित किया है जिसका मुख्य उद्देश्य वितरण को बेहतर बनाना और बाजार की बारीकी से निगरानी रखना है। यह योजना यस बैंक के खुदरा कारोबार को मजबूत करने के लिए कदम उठाएगी। बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने वर्ष 2025 के साथ एक साक्षात्कार में बातचीत किए और बताया कि बैंक विशेष ध्यान देकर एक मजबूत खुदरा फ्रैंचाइजी बनाने का लक्ष्य रखता है। कहा गया कि अगले वर्ष का लक्ष्य मध्यम वृद्धि होगा और बैंक वितरण पर काम करेगा। उन्होंने कहा कि हम अपने उत्पाद का कवरेज बढ़ाना चाहते हैं और खुदरा कारोबार में वृद्धि करना चाहते हैं। यस बैंक का खुदरा कारोबार सालाना आधार पर 1.01 लाख करोड़ रुपये रह गया था। इस श्रेणी में एसएमई, मिड कॉर्पोरेट और कॉर्पोरेट ऋण सभी विभागों ने सालाना बर्त्तियों दर से वृद्धि की थी।

कुछ राज्यों की तुलना में मप्र, छग की कम महिलाओं के पास है मोबाइल फोन सबसे अच्छी स्थिति गोवा, लद्दाख, मिजोरम, केरल और पुदुच्चेरी में

नई दिल्ली। एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय महिलाओं के पास मोबाइल फोन के मामले में कुछ राज्य और केंद्र शासित प्रदेश पिछड़े हुए हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार गोवा और लद्दाख में करीब 92 प्रतिशत महिलाओं के पास मोबाइल फोन है, जो कि राष्ट्रीय औसत से बहुत अधिक है। इसके विपरीत छत्तीसगढ़, त्रिपुरा और मध्य प्रदेश में महिलाओं के पास मोबाइल फोन की संख्या कम है। रिपोर्ट में बताया गया है कि सबसे अच्छी स्थिति गोवा, लद्दाख, मिजोरम, केरल और पुदुच्चेरी में है जहां महिलाओं के पास मोबाइल फोन अधिक हैं। यह रिपोर्ट ऐसे क्षेत्रों को भी उजागर करती है जहां इस तकनीकी साधन की कमी है। ग्रामीण क्षेत्रों में केवल 48 प्रतिशत महिलाओं के पास मोबाइल फोन है, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह आंकड़ा 72 प्रतिशत है। रिपोर्ट के अनुसार मोबाइल फोन के मालिकाना का परिभाषित नियोक्ता और सक्रिय सिम कार्ड के साथ उपयोग के लिए डिवाइस को शामिल किया गया है। यह आंकड़े साबित करते हैं कि भारतीय महिलाएं तकनीकी साधनों के उपयोग में पिछड़ रही हैं और इसमें सुधार की आवश्यकता है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत एशिया में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए थे। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए थे। वहीं एशियाई बाजारों में गिरावट का रुख बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,911. 69 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.32 प्रतिशत टूट कर 19,113.77 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 173.05 अंक यानी 0.41 प्रतिशत की गिरावट के साथ 42,097.02 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान लगातार उठा पटक होते रहने के कारण मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.64 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,772.38 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 0.27 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,997.48 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स 0.36 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,751.89 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में चौतरफा गिरावट का माहौल बना हुआ है। एशिया के 9 बाजार में से 7 के सूचकांक कमजोरी के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं। एशिया के किसी भी बाजार में अभी तक के कारोबार में तेजी नजर नहीं आ रही है। दूसरी ओर, थाईलैंड और चीन के स्टॉक मार्केट में छुट्टी होने की वजह से सेट कंपोजिट इंडेक्स और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स में कोई हलचल नहीं है।

गिफ्ट निफ्टी फिलहाल 240.50 अंक यानी 0.97 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,596.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.46 प्रतिशत टूट कर 3,876.80 के स्तर पर पहुंच गया है। हैंग सेंग इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 546.06 अंक यानी 2.34 प्रतिशत फिसल कर 22,743.71 अंक के स्तर पर आ गया है।

इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 380.09 अंक यानी 1.78 प्रतिशत लुढ़क कर 20,967.21 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 118.42 अंक यानी 1.65 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,057.40 अंक के स्तर पर, निक्केई इंडेक्स 602.16 अंक यानी 1.59 प्रतिशत टूट कर 37,362.94 अंक के स्तर पर और कोस्पी इंडेक्स 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,688.62 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

कनेक्टिविटी बढ़ने से मजबूत हो रहा भारतीय विमानन बाजार

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात एसोसिएशन ने बताया कि भारतीय विमानन बाजार कनेक्टिविटी, नेटवर्क और हवाई अड्डा बुनियादी ढांचे में वृद्धि के साथ मजबूत होकर उभर रहा है। देश में मजबूत एयरलाइनों के उभरने के कारण भारतीय विमानन बाजार में उल्लेखनीय सुधार हो रहा है। भारत, नेपाल और भूटान के एक अधिकारी ने दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में एसोसिएशन के उद्घाटन समारोह की मेजबानी की। उन्होंने एसोसिएशन की नींव मजबूत करने के लिए हवाईअड्डा बुनियादी ढांचे में भी उल्लेखनीय वृद्धि की बात कही और इसे देश के लिए एक अच्छी नींव प्रदान करने वाला माना। उन्होंने यह भी बताया कि सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल (एसएएफ) उत्पादन की उम्मीद 2026 तक भारत में है। आईटीए का कहना है कि वे लगभग 350 एयरलाइनों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो वैश्विक हवाई यातायात का 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है। एसोसिएशन 42 वर्षों के बाद पहली बार भारत में अपनी वार्षिक आम बैठक आयोजित करेगा, जिसके माध्यम से देश के विमानन उद्योग का विकास किया जाएगा। विमानन उद्योग सीधे तौर पर 3,69,700 लोगों को रोजगार देता है और देश की जीडीपी में 5.6 अरब डॉलर का योगदान देता है। इसके अलावा विमानन सेक्टर 77 लाख नौकरियां प्रदान करता है और 53.6 अरब डॉलर का योगदान करता है।

अमेरिकी सीनेटरों ने पेश किया 500 फीसदी शुल्क का प्रस्ताव

नई दिल्ली

अमेरिका के सबसे शक्तिशाली सीनेटरों में से एक ने रूस के कच्चे तेल के कारोबार पर प्रतिबंध बढ़ाने के लिए एक विधेयक का प्रस्ताव रखा है, जिससे भारत के रूसी तेल के आयात पर हो सकता है नकारात्मक प्रभाव। इस प्रस्ताव के तहत देशों पर 500 प्रतिशत शुल्क लगाने की संभावना है, जिसमें भारत और चीन भी शामिल हैं।

यह कदम रोजाना लगभग 20 लाख बैरल रूसी कच्चे तेल की आपूर्ति पर खतरा उत्पन्न कर सकता है। साथ ही इस प्रस्ताव से आने वाले कठोर उपायों से भारत का कच्चे तेल आयात को पंगु बनाने का खतरा है। यह फरवरी महीने में लगभग 15.4 करोड़ डॉलर की मूल्यवर्धित आपूर्ति पर प्रभाव डाल सकता है। स्थिति में अब तक 80 से अधिक सीनेटरों ने इस विधेयक पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के सहयोगी सीनेटर लिंडसे ग्राहम भी शामिल हैं।

इसे देशों जैसे जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन के साथ योगदान के माध्यम से तैयार किया गया है, जिन्होंने हाल ही में रूसी जहाजों पर कुछ सख्त नए प्रतिबंध लगाए हैं। भारत ने इन प्रतिबंधों को अब तक मान्यता नहीं दी है, लेकिन आधिकारिक तौर पर अमेरिकी प्रतिबंधों का सावधानी से पालन कर रहा है। यह हाल फरवरी में रूस की सबसे सस्ती क्रूड तेल कीमतों पर भारत के आयात पर भारी प्रभाव डालने की संभावना बना सकता है।

भारतीय अधिकारियों ने कहा कि आधिकारिक तौर पर अमेरिकी प्रतिबंधों को भी भारत नहीं मानता, लेकिन भारतीय बैंक और रिफाइनर अमेरिका से सावधान रहते हैं। यूरोपीय बेंचमार्क क्रूड ब्रेंट की तुलना में रूसी तेल 2 से 5 डॉलर प्रति बैरल की छूट पर सुरक्षित किया गया था। फरवरी मे इराक के बाद रूस का कच्चा तेल सबसे सस्ता था, जो 77 डॉलर प्रति बैरल पर मिल रहा था। सीमा शुल्क के आंकड़ों के आधार पर गणना से पता चलता है कि सऊदी अरब और अमेरिका के तेल की तुलना में रूस का तेल 5 डॉलर प्रति बैरल सस्ता था।

सरकारी कंपनियों का मुनाफा बढ़ा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत की सरकारी कंपनियों ने पिछले वित्तवर्ष में बैंक, वित्तीय और तेल-गैस क्षेत्र में बंपर मुनाफा कमाया है, परंतु इस वर्ष इसमें गिरावट आई है। इन कंपनियों ने अपने निवेशकों और सरकार को डिविडेंड भी दिया है, लेकिन 2024-25 में इसका प्रतिशत कम हो गया है। सरकारी कंपनियों का 2025 में शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने से भारत सरकार को कुल 82,995 करोड़ रुपये का लाभ मिलेगा। यह पिछले वर्ष से लगभग एक फीसदी कम है।

भारत में अमीरों की संख्या 50 फीसदी तक बढ़ने की संभावना

लग्जरी रिटेल बाजार भी 2025 तक बढ़ सकता है 15 से 20 प्रतिशत

मुंबई

भारत में अमीर व्यक्तियों की संख्या में 2023 से 2028 तक लगभग 50 फीसदी की वृद्धि हो सकती है। यह बात एक रिपोर्ट के आधार पर कही गई है। इसके साथ, भारत के लग्जरी रिटेल बाजार में 2025 तक 15 से 20 प्रतिशत सालाना की दर से वृद्धि की संभावना है। इस ग्रोथ में जनसंख्या की संरचना में बदलाव, तेजी से होता शहरीकरण और उपभोक्ताओं की प्राथमिकताओं में बदलाव समेत कई महत्वपूर्ण कारण हैं। हालांकि कुछ चुनौतियां भी उभरी हैं। 7 लाख रुपए से अधिक के आयातित उत्पादों पर

वृद्धि हुई टैक्स उपभोक्ता को मेड इन इंडिया उत्पादों की ओर आकर्षित कर सकती है। साथ ही 28 फीसदी ग्राहक जीएसटी भी इस बाजार की ग्रोथ के लिए एक बड़ी बाधा हो सकती है।

इसके बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था में धारावाहिक वृद्धि के संकेत मिल रहे हैं। नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम के अनुसार भारत की जीडीपी 2026 तक 4.187 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच सकती है, जो जापान से अधिक होगी। फैशन, ज्वेलरी और लग्जरी घड़ियों जैसे सेगमेंट में भारत में 2019 से 2023 के बीच 5 फीसदी की सालाना ग्रोथ दर्ज की गई, जो 2025 में कुछ मामूली गिरावट देखने के साथ भी अस्वीकृत की गई। इस गिरावट का कारण चीन जैसे प्रमुख बाजारों में आर्थिक संकट बताया जा रहा है।

एयर इंडिया और एयर मॉरीशस की 'कोडशेयर' साझेदारी बढ़ेगी

कुल 17 मार्गों पर 'कोड' साझा किया जाएगा

नई दिल्ली

विमानन कंपनी एयर इंडिया और एयर मॉरीशस ने अपनी 'कोडशेयर' साझेदारी का विस्तार करने की घोषणा की है। उनका कहना है कि इस साझेदारी के माध्यम से भारत को दक्षिण अफ्रीका, रीयूनियन और मेडागास्कर के साथ बेहतर संपर्क सुविधा मिलेगी। एयर इंडिया और एयर मॉरीशस के बीच कुल 17 मार्गों पर 'कोड' साझा किया जाएगा। इस साझेदारी के तहत उपभोक्ताओं को अधिक सुविधाएं प्राप्त होंगी और बेहतर विमानन सेवाएं मिलेंगी। एयर इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी और प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन तथा एयर

मॉरीशस के चेयरमैन किशोर बीगू ने इस साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए। एयर इंडिया अपना 'एआई' कोड एयर मॉरीशस की उड़ानों पर लगाएगा जो दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन, जोहान्सबर्ग, और मेडागास्कर की राजधानी एंटानानारिवो से आती-जाती हैं। इस साझेदारी से यात्रियों को मॉरीशस, रीयूनियन और दक्षिण अफ्रीका के बीच संचार करने का अच्छा अवसर प्राप्त होगा। 'कोडशेयर' साझेदारी के अंतर्गत उड़ानों के लिए टिकट बुक करने की सुविधा प्रदान की जाएगी, जो यात्रियों को सरलता और सुविधा देगी। इस साझेदारी के माध्यम से दोनों कंपनियों की संयुक्त प्रयासों से यात्रियों को बेहतर अनुभव मिलेगा, साथ ही दोनों उड़ान सेवाओं को मजबूत करने में सक्षम होंगे।

मारुति सुजुकी की बिक्री मई में बढ़कर 1,80,077 इकाई हुई

मुंबई। मारुति सुजुकी इंडिया ने मई महीने में अपनी कुल वाहन बिक्री को सालाना आधार पर तीन प्रतिशत बढ़ाकर 1,80,077 इकाई तक पहुंचाया है। यह बिक्री वृद्धि आर्थिक संकट के बीच एक उज्जवल संकेत है। ग्रैंड विटारा, ब्रेजा, जिम्नी, एक्सएल6 जैसे यूटिलिटी वाहनों की बिक्री मई में 54,899 इकाई पहुंच गई, जो मई 2024 में 54,204 इकाई थी। वहीं ईको वैन की बिक्री भी सालाना आधार पर 10,960 इकाई से बढ़कर 12,327 इकाई हो गई। मारुति सुजुकी इंडिया के एक प्रवक्ता ने बताया कि छोटी कारों में आए घाटे की वजह से कंपनी की बिक्री में कुचलाव आया है। एक साल पहले घरेलू यात्री वाहन की बिक्री में वृद्धि होते हुए इस माह की बिक्री में 6 प्रतिशत की कमी आई है। कॉम्पैक्ट कारों की भी बिक्री मई 2024 में 68,206 इकाई की तुलना में घटकर 61,502 इकाई रही है। इसमें बलेनो, सेलेरियो, डिजायर, इग्निस, स्विफ्ट और वैगनआर शामिल हैं। मारुति सुजुकी इंडिया अपनी नई यातायात वाहनों के लिए नए बाजार और संगठनों में अपनी अवधारणाओं के साथ मजबूती जारी रखने का संकल्प कर रही है।

थाईलैंड ओपन मुक्केबाजी : दीपक और नमन ने दिलाया स्वर्ण, भारत ने 8 मेडल के साथ किया शानदार समापन

बैंकॉक

थाईलैंड ओपन बॉक्सिंग टूर्नामेंट 2025 में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल आठ पदक अपने नाम किए। दीपक और नमन तंवर ने स्वर्ण पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया, जबकि महिला वर्ग में भी भारतीय बॉक्सर दमदार प्रदर्शन के साथ पदक तालिका में योगदान देती नजर आईं।

दीपक और नमन तंवर ने दिलाया स्वर्ण – पुरुषों की 75 किलोग्राम भारवर्ग में दीपक ने उज्बेकिस्तान के अब्दुरखिमोव जावोखिर को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। मुकाबले की शुरुआत में दीपक ने संयम से खेला, लेकिन पहले राउंड के मध्य से ही उन्होंने नियंत्रण बनाना शुरू कर दिया और अंत तक पूरी तरह हावी रहे। वहीं, 90 किलोग्राम के फाइनल में नमन तंवर ने चीन के हान शुएजेन को 4-1 से मात दी। नमन ने आक्रामक शुरुआत करते हुए पहले दो राउंड में बढ़त बना ली। हालांकि तीसरे राउंड में चीनी बॉक्सर ने वापसी की कोशिश की, लेकिन नमन ने अपने अनुभव से मुकाबले को अपने पक्ष में रखा।

किरण को सिल्वर, पांच महिला बॉक्सर को ब्रॉन्ज – महिलाओं की 80+ किलोग्राम कैटेगरी में किरण को कजाखस्तान की येलदाना तालिपोवा के खिलाफ 2-3 से करीबी हार झेलनी पड़ी और उन्हें सिल्वर से संतोष करना पड़ा। इसके अलावा भारत की पांच महिला मुक्केबाज़—तमन्ना (51 किग्रा), प्रिया (57 किग्रा), संजू (60 किग्रा), सनेह (70 किग्रा) और ललफकमावी राल्ते (80 किग्रा)—ने कांस्य पदक हासिल किए।

अंशुल गिल का मेडल विवाद, अयोग्यता घोषित – 90+ किलोग्राम कैटेगरी में सेमीफाइनल जीतने के बावजूद भारतीय बॉक्सर अंशुल गिल को पदक से वंचित कर दिया गया। मुकाबले के बाद की एक हरकत पर उज्बेकिस्तान के कोच ने आपत्ति जताई और शिकायत के बाद अंशुल को अयोग्य घोषित कर दिया गया।

भारत का बढ़ता आत्मविश्वास, अगला लक्ष्य वर्ल्ड बॉक्सिंग कप – भारत ने इस टूर्नामेंट में 19 सदस्यीय दल उतारा था, जिसमें से कई मुक्केबाजों ने विश्व स्तरीय खिलाड़ियों को टक्कर दी। इससे पहले ब्राज़ील में हुई वर्ल्ड बॉक्सिंग कप में भारत ने 1 गोल्ड सहित 6 मेडल जीते थे। अब भारतीय टीम जून के अंत में कज़ाखस्तान में होने वाले वर्ल्ड बॉक्सिंग कप के दूसरे चरण में भाग लेगी, जबकि फाइनल मुकाबले इस साल नई दिल्ली में आयोजित किए जाएंगे।

न्यूज ब्रीफ

हेनरिक क्लासेन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास, इंस्टाग्राम पर दी जानकारी

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर-बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने सोमवार को तत्काल प्रभाव से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी। क्लासेन ने इंस्टाग्राम पर लिखा, यह मेरे लिए एक दुखद दिन है, क्योंकि मैं घोषणा कर रहा हूं कि मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से हटने का फैसला लिया है। यह फैसला लेना मेरे लिए आसान नहीं था, लेकिन मैंने अपने और अपने परिवार के भविष्य को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया है। उन्होंने कहा, अब मैं अपने परिवार के साथ ज्यादा समय बिता सकूंगा और यही मेरे इस फैसले का मुख्य कारण है। 33 वर्षीय क्लासेन ने पिछले साल जनवरी में टेस्ट क्रिकेट से पहले ही संन्यास ले लिया था, ताकि वह सफेद गेंद क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित कर सकें। उन्होंने अपने करियर में दक्षिण अफ्रीका के लिए 60 वनडे, 58 टी20 और 4 टेस्ट मैच खेले। क्लासेन ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच इसी साल मार्च में न्यूजीलैंड के खिलाफ आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में खेला था, जिसमें वे 7 गेंदों में केवल 3 रन बनाकर आउट हो गए थे। उस मैच में दक्षिण अफ्रीका को 50 रन से हार का सामना करना पड़ा था।

आईपीएल 2025: स्लो ओवर रेट के चलते श्रेयस अय्यर और हार्दिक पंड्या पर लगा जुर्माना

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) के क्वालिफायर-2 मुकाबले में स्लो ओवर रेट के चलते पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर और मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या पर जुर्माना लगाया गया है। यह मैच नरेंद्र मोदी स्टेडियम, अहमदाबाद में खेला गया था। आईपीएल की आचार संहिता के तहत निर्धारित ओवर गति बनाए रखने में विफल रहने पर यह कार्रवाई की गई है। पंजाब किंग्स के लिए यह सीजन का दूसरा अपराध था, जिस कारण कप्तान श्रेयस अय्यर पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। वहीं, प्लेइंग इलेवन के अन्य खिलाड़ियों और इम्पैक्ट प्लेयर पर या तो 6 लाख रुपये या उनके मैच फीस का 25 प्रतिशत (जो भी कम हो) का जुर्माना लगाया गया है। दूसरी ओर, मुंबई इंडियंस के लिए यह तीसरी बार था, जब टीम निर्धारित समय में ओवर पूरे करने में असफल रही। नतीजतन, कप्तान हार्दिक पंड्या पर 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। टीम के अन्य खिलाड़ियों और इम्पैक्ट प्लेयर पर या तो 12 लाख रुपये या उनके मैच फीस का 50 प्रतिशत (जो भी कम हो) का जुर्माना लगाया गया।

नॉर्वे चेस 2025: विश्व चैम्पियन गुकेश ने वर्ल्ड नंबर 1 मैग्नस कार्लसन को दी करारी शिकस्त

स्टावेंगर। नॉर्वे चेस 2025 के छठे राउंड में सभी बोर्डों पर जबरदस्त मुकाबले देखने को मिले। इस दिन का सबसे चर्चित मुकाबला विश्व चैम्पियन डी गुकेश और वर्ल्ड नंबर 1 मैग्नस कार्लसन के बीच हुआ। लंबे और कड़ी टक्कर वाले इस मैच में कार्लसन शुरुआत में बेहतर स्थिति में दिखे, लेकिन टाइम ट्रबल में उनकी एक बड़ी चूक ने गुकेश को मौका दिया और उन्होंने बढ़त लेकर शानदार जीत दर्ज की। बाकी के दो क्लासिकल मैच यी वेई बनाम अर्जुन एरिगैसी और फैबियानो कारुआना बनाम हिकारु नाकामुरा के बीच कड़ी टक्कर के बाद ड्रॉ पर समाप्त हुए। हालांकि, अर्जुन और कारुआना ने आर्मगेडन मुकाबलों में जीत दर्ज कर महत्वपूर्ण अतिरिक्त अंक हासिल किए। इन परिणामों के साथ कार्लसन और कारुआना अब टूर्नामेंट की संयुक्त बढ़त पर हैं। नॉर्वे चेस वुमन टूर्नामेंट में ग्यूजिचुक और कोनेरू हंपी साझा लीड पर महिला टूर्नामेंट में भी कड़ी प्रतिस्पर्धा दिखी, जहां तीन क्लासिकल मैच ड्रॉ हुए और उसके बाद तीन आर्मगेडन गेम खेले गए। अन्ना ग्यूजिचुक, वैशाली रमेशबाबू और वेनजुन जू ने आर्मगेडन में जीत हासिल की। टूर्नामेंट के इस चरण में ग्यूजिचुक और कोनेरू हंपी अब संयुक्त लीड पर हैं, जो आने वाले राउंड्स में जोरदार मुकाबले की उम्मीद जगाते हैं।

ग्लेन मैक्सवेल ने वनडे क्रिकेट से लिया संन्यास, टी20 में जारी रखेंगे करियर

2023 वर्ल्ड कप में ऐतिहासिक दोहरा शतक जड़ने वाले मैक्सवेल ने कहा- अब टीम को भविष्य के लिए तैयार होने देना चाहिए

नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया के स्टार ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने वनडे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से तत्काल प्रभाव से संन्यास ले लिया है। हालांकि वे टी20 फॉर्मेट में उपलब्ध रहेंगे और 2026 में होने वाले अगले टी20 वर्ल्ड कप तक खेलते रहने की उम्मीद है।

36 वर्षीय मैक्सवेल ने यह ऐलान 'द फाइनल वर्ड पॉडकास्ट' में एक लंबे इंटरव्यू के दौरान किया। उन्होंने बताया कि 2022 में पैर टूटने के बाद वनडे क्रिकेट उनके शरीर पर भारी पड़ रहा था। इसी साल चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान भी उन्हें काफी थकान महसूस हुई।

अब अगली पीढ़ी को मौका देने का समय : मैक्सवेल – मैक्सवेल ने कहा, मुझे लगने लगा था कि मैं टीम को थोड़ा पीछे खींच रहा हूं। मैंने चयनकर्ता जॉर्ज बेली से बात की और कहा कि मैं 2027 वर्ल्ड कप तक नहीं खेल पाऊंगा। अब समय है कि मेरी जगह किसी और को तैयार किया जाए। उन्होंने आगे कहा, मैं कभी भी ऐसे नहीं खेलना चाहता था कि बस रिकॉर्ड या निजी संतोष के लिए टीम में बना रहूं। जब मुझे लगे कि मैं टीम के भविष्य का हिस्सा नहीं हूं, तब विदा लेना ही बेहतर है।

रिकॉर्ड्स भले ही सामान्य लगें, लेकिन स्ट्राइक रेट में सब पर भारी – मैक्सवेल ने 149 वनडे मैचों में 33.81 की औसत से 3990 रन बनाए और 77 विकेट लिए। हालांकि उनकी सबसे बड़ी खासियत थी उनका विस्फोटक अंदाज – 126.70 का स्ट्राइक रेट, जो एंड्रे रसेल के बाद इतिहास का दूसरा सर्वश्रेष्ठ है। 2000 से अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों में यह सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइक रेट है।

2023 विश्व कप में अफगानिस्तान के खिलाफ 201* रन की पारी ने उन्हें अमर बना दिया। यह न केवल ऑस्ट्रेलिया की ओर से पहला दोहरा शतक था, बल्कि किसी भी बल्लेबाज द्वारा रन चेज़ में बनाया गया पहला दोहरा शतक भी था – और वो भी नंबर 6 पर आकर, जब ऑस्ट्रेलिया 91/7 के संकट में था।

करियर की कुछ और शानदार पारियां

- 2023 वर्ल्ड कप में नीदरलैंड्स के खिलाफ मात्र 40 गेंदों में शतक – वर्ल्ड कप इतिहास का सबसे तेज़ शतक।
- 2015 वर्ल्ड कप में श्रीलंका के खिलाफ 51 गेंदों में शतक – वर्ल्ड कप का चौथा सबसे तेज़ शतक।
- 2020 इंग्लैंड दौरा – मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ 73/5 से पीछा करते हुए एलेक्स कैरी के साथ 212 रनों की साझेदारी कर मैच जिताया।
- 2015 वर्ल्ड कप क्वार्टर फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद 44 रन और दो विकेट।
- 2023 वर्ल्ड कप फाइनल में रोहित शर्मा का अहम विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया की जीत की नींव रखी।
- 2014 पाकिस्तान के खिलाफ मैच में अंतिम ओवर में डबल विकेट मेडन कर सिर्फ दो रन डिफेंड किए।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट ने जताया आभार – ऑस्ट्रेलिया के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा, ग्लेन वनडे इतिहास के सबसे डाइनामिक खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। उनका बैटिंग टैलेंट, गेंदबाज़ी में योगदान और फील्डिंग में ऊर्जा अतुलनीय रही है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा, ग्लेन की विस्फोटक बल्लेबाज़ी ने दुनिया भर के दर्शकों का दिल जीता। कई बच्चों ने उन्हें देखकर बल्ला उठाया। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट उनके योगदान के लिए हमेशा आभारी रहेगा।

अब टी20 में नजरें और यूएसए की लीग पर फोकस – मैक्सवेल फिलहाल आईपीएल में चोटिल होकर बाहर हुए थे, लेकिन जल्द ही अमेरिका में होने वाली मेजर लीग क्रिकेट के लिए फिट हो सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम भी जुलाई में कैरेबियाई दौरे पर जाएगी, जिसमें उनके शामिल होने की संभावना है।

सिंगापुर बैडमिंटन ओपन में थाईलैंड की धाक, एकल और मिश्रित युगल में जीता स्वर्ण

सिंगापुर। सिंगापुर बैडमिंटन ओपन में रविवार को थाईलैंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। पुरुष एकल में कुनलावुत विटिडसर्न ने दमदार जीत दर्ज की, जबकि देचापोल पुआवरानुकोह और सुपिस्सरा पावसंप्रान की जोड़ी ने मिश्रित युगल वर्ग में खिताबी मुकाबला जीता। पुरुष एकल फाइनल में कुनलावुत ने चीन के लू गुआंगजु को महज 37 मिनट में 21-6, 21-10 से हराकर चौंकाया। यह इस सीजन में उनका चौथा खिताब है। इस जीत के साथ वे आगामी विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) की रैंकिंग में विश्व नंबर-1 बन जाएंगे और वर्ष 2000 के बाद जन्मे पहले पुरुष खिलाड़ी बनेंगे जो यह उपलब्धि हासिल करेंगे। इससे पहले थाईलैंड की मिश्रित युगल जोड़ी देचापोल और सुपिस्सरा ने हांगकांग की टीम टांग चुन मैन और त्से यिंग सुएत को सीधे सेटों में 2-0 से हराकर खिताब जीता। दोनों ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन तालमेल दिखाया और फाइनल में भी दबदबा बनाए रखा। महिला एकल में चीन की चेन युफेई ने अपने ही देश की वांग झीयी को सीधे सेटों में पराजित करते हुए खिताब पर कब्जा जमाया। यह सीजन का उनका चौथा खिताब है। महिला युगल में दक्षिण कोरिया की किम ह्ये-जिओंग और कोंग ही-योंग की जोड़ी ने जापान की रिन इवानागा और कीए नाकानिशी को 21-16, 21-14 से हराकर खिताब जीता। जबकि पुरुष युगल में मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूई यिक ने कड़े मुकाबले में कोरिया की जोड़ी किम वोन-हो और सिओ सेउंग-जे को 15-21, 21-18, 21-19 से मात दी।

माउसली और होल्डन ने जड़े शतक, इंग्लैंड लायंस ने 7 विकेट पर बनाए 527 रन

इंडिया ए के स्कोर से अब केवल 30 रन पीछे इंग्लैंड लायंस की टीम

नई दिल्ली

कैंटरबरी टेस्ट का तीसरा दिन इंग्लैंड लायंस के बल्लेबाज़ों के नाम रहा, जब डैन माउसली (113) और मैक्स होल्डन (101) ने शतक लगाते हुए इंडिया ए की पहली पारी की बढ़त को तेजी से कम किया। इससे पहले टॉम हेन्स पहले ही 175 रन की शानदार पारी खेल चुके थे। हालांकि दिन का अंत करुण नायर की गेंद पर माउसली के एलबीडब्ल्यू आउट होने के साथ हुआ। इंग्लैंड लायंस ने रविवार को तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 527/7 रन बना लिए हैं और अब वे इंडिया ए से सिर्फ 30 रन पीछे हैं।

होल्डन और हेन्स की दमदार शुरुआत

सुबह के सत्र में टॉम हेन्स और मैक्स होल्डन ने कुछ ओवरों तक विकेट की परख की लेकिन फिर होल्डन ने लगातार दो चौकों के साथ रनगति तेज कर दी। होल्डन पहले घंटे में अधिक आक्रामक रहे और हार्षित राणा की गेंदबाज़ी पर खासतौर से हावी दिखे। उन्होंने महज 99 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। वहीं हेन्स ने भी शार्दुल ठाकुर की गेंदों को ऑफ साइड में दो बार बाउंड्री तक पहुंचाया।

मुकेश कुमार की वापसी से इंडिया ए को राहत

मैक्स होल्डन को मुकेश कुमार ने विकेट के पीछे कैच आउट करवाकर 281 रनों की साझेदारी तोड़ी। इसके बाद उन्होंने जेम्स रिउ को भी एलबीडब्ल्यू आउट कर पवेलियन भेजा। रहान अहमद को ऊपर भेजने का फैसला भी कारगर नहीं रहा क्योंकि मुकेश ने उन्हें भी जल्दी निपटा दिया और शानदार स्पेल में तीन विकेट झटके।

माउसली की संयमित शतकीय पारी

इसके बाद डैन माउसली ने आक्रमण का संकेत हर्ष दुबे की गेंद पर छक्का जड़कर दिया। हेन्स और माउसली ने मिलकर स्कोर को 400 के पार पहुंचाया। हेन्स ने क्लासिकल बल्लेबाज़ी करते हुए 150 रन पूरे किए, लेकिन फिर शार्दुल ठाकुर ने उन्हें सरफराज के हाथों कैच करवा दिया।

अख्तर और माउसली की उपयोगी साझेदारी

छह विकेट गिरने के बाद ज़मान अख्तर ने माउसली का अच्छा साथ निभाया। अख्तर ने शुरुआत में रक्षात्मक बल्लेबाज़ी की और बाद में दुबे की गेंद पर छक्का जड़ा। दोनों बल्लेबाज़ों ने तेजी से रन बटोरे और 50 रन की साझेदारी पूरी की। माउसली ने मुकेश कुमार की गेंद पर चौका मारते हुए अपना शतक पूरा किया। हालांकि दिन की अंतिम गेंद पर करुण नायर ने उन्हें आउट कर इंडिया ए को राहत दी।

फ्रेंच ओपन टेनिस

पेरिस के रोला गैरा में फ्रेंच ओपन टेनिस में जीत के बाद चीन की क्वीविन जेंग उत्साहित होती हुई।

फोर नेशन हॉकी टूर्नामेंट में अर्जेंटीना से 2-4 से हारी भारतीय जूनियर महिला टीम

नई दिल्ली

अर्जेंटीना के रोसारियो में खेले जा रहे चार देशों के टूर्नामेंट में भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम को मेज़बान अर्जेंटीना के खिलाफ अपने अंतिम मुकाबले में 2-4 से हार का सामना करना पड़ा। भारत के लिए कनिका सिवाच (11', 45') ने दो शानदार गोल किए और टूर्नामेंट में अपनी बेहतरीन फॉर्म को जारी रखा।

मैच की शुरुआत तेज़ रफ्तार में हुई और पहले ही क्वार्टर में कुल चार गोल देखने को मिले। अर्जेंटीना ने जबरदस्त शुरुआत करते हुए 5वें मिनट में सोल गुइगनेट गुनाजु के गोल से खाता खोला। इसके कुछ ही देर बाद 7वें मिनट में सोल ओलाला डी लाब्रा ने दूसरा गोल दागकर मेज़बान टीम को मजबूत बढ़त दिला दी।

भारत की ओर से 11वें मिनट में कनिका सिवाच ने शानदार सजगता दिखाते हुए गोल करके स्कोर 2-1 कर दिया। हालांकि, अर्जेंटीना ने तुरंत पलटवार करते हुए 13वें मिनट में मिलाग्रोस डेल वैले अलास्त्रा के जरिए दोबारा दो गोल की बढ़त हासिल कर ली।

दूसरे क्वार्टर में कोई गोल नहीं हुआ, लेकिन तीसरे क्वार्टर के 37वें मिनट में अर्जेंटीना की मैक्सिमा डुपोर्टाल ने चौथा गोल कर भारत पर दबाव और बढ़ा दिया। इसके बावजूद, कनिका सिवाच ने 45वें मिनट में अपना दूसरा गोल कर भारत को वापसी की उम्मीद दी, लेकिन आखिरी क्वार्टर में अर्जेंटीना ने अच्छा डिफेंस करते हुए 4-2 की जीत सुनिश्चित की।

जो रूट के शतक से इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को दूसरे वनडे में हराकर सीरीज जीती

नई दिल्ली

इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज़ जो रूट की नाबाद 166 रन की शानदार पारी की बदौलत मेज़बान टीम ने रविवार को कार्डिफ में खेले गए दूसरे वनडे में वेस्टइंडीज को 3 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। इसी के साथ रूट ने न सिर्फ अपना 18वां वनडे शतक लगाया, बल्कि वनडे क्रिकेट में 7,000 रन भी पूरे कर लिए।

रूट की क्लासिक पारी, इंग्लैंड ने 309 रन का लक्ष्य किया हासिल

जो रूट ने 139 गेंदों पर 166 रन बनाए और टीम को संकट से निकालते हुए जीत दिलाई। इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही थी और टीम सिर्फ 2 रन पर अपने दोनों ओपनर-जेमी स्मिथ और बेन डकेट-को खो बैठी थी। कप्तान हैरी ब्रूक (47) और फिर रूट ने पारी को संभाला। रूट ने विल जैक्स (49) के साथ 143 रन की साझेदारी की और फिर निचले क्रम के बल्लेबाज़ों के साथ मिलकर टीम को 7 गेंद बाकी रहते जीत दिला दी।

इंग्लैंड का टॉप ऑर्डर फ्लॉप, लेकिन रूट ने डटकर निभाई जिम्मेदारी

309 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम ने सिर्फ 2 रन पर दोनों ओपनर खो दिए। कप्तान ब्रूक और रूट ने पारी को संभालने की कोशिश की। ब्रूक 47 रन बनाकर आउट हुए, जबकि रूट ने एक छोर संभाले रखा। एक समय स्कोर 6 विकेट पर 225 था, लेकिन रूट ने आदिल रशीद (10*) के साथ मिलकर टीम को जीत दिला दी।

रूट बने इंग्लैंड के सबसे सफल वनडे बल्लेबाज़

इस मैच में रूट ने इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा वनडे रन बनाने वाले बल्लेबाज़ का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया, उन्होंने पूर्व कप्तान ऑइन मॉर्गन को पीछे छोड़ा।

तीन मैचों की वनडे सीरीज का तीसरा और अंतिम मुकाबला मंगलवार को लंदन के द ओवल मैदान पर खेला जाएगा।

वेस्टइंडीज की पारी में कीसी कार्टी का शतक, रशीद का जलवा

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही। 18 साल के ओपनर ज्वेल एंड्रयू खाता खोले बिना आउट हो गए। इसके बाद ब्रैंडन किंग (59) और कीसी कार्टी (103) ने 141 रन की तेज़ साझेदारी कर पारी को संभाला। कार्टी ने चौथा वनडे शतक लगाया, हालांकि उन्हें शुरुआत में दो जीवनदान भी मिले।

इंग्लैंड के स्पिनर आदिल रशीद ने 63 रन देकर 4 विकेट झटके और वेस्टइंडीज की लय तोड़ी। इसी के साथ रशीद इंग्लैंड के सबसे सफल स्पिनर बन गए। वेस्टइंडीज की पूरी टीम 47.4 ओवर में 308 रन पर ऑलआउट हो गई।

बाएं हाथ में ही क्यों पहनते हैं घड़ी?

क्या आपने कभी सोचा कि क्यों बाएं हाथ में ही घड़ी पहनी जाती हैं? इसका जवाब बहुत ही रोचक है।

बाएं हाथ में घड़ी पहनने से भी पहले आपको उस दौर में चलना होगा जब घड़ियां हाथ में नहीं पॉकेट में हुआ करती थीं। आपने भी पुराने जमाने की चेन वाली घड़ियां देखी होंगी जिन्हें जेब में रखा जाता था। जेब से निकालकर समय देखा जाता था।

माना जाता है कि कुछ लोग इस चेन वाली घड़ी को हाथ में पहनने लगे और इन हाथ में घड़ी बांधने का चलन शुरू हुआ। बाएं हाथ में घड़ी बांधने की मुख्य वजह अधिकतर लोगों का दाएं हाथ से अधिकतर काम करने वाला होना है। जब आपका दायां हाथ काम में व्यस्त है, बाएं हाथ में इसी दौरान समय देखना बेहद आसान होता है और काम भी दाएं हाथ से चलता रहता है। बाएं हाथ में घड़ी बांधना इतना कॉमन है कि घड़ियां भी इसी हिसाब से बनाई जाने लगीं। दाएं हाथ से अन्य काम करने के चलते आपकी घड़ी भी सुरक्षित रहती है। इसके गंदे होने, स्क्रेच लगने और काम की जगह जैसे टेबल पर टकराने की संभावना भी कम होती है।

ऐसे मंदिर जहां पुरुषों का प्रवेश है वर्जित

मंदिरों में महिलाओं के प्रवेश वर्जित होने की बात कई बार सुनते हैं लेकिन भारत में ऐसे कई मंदिर मौजूद हैं जहां पुरुषों का जाना वर्जित है। केरल के तिरुवनंतपुरम में देवी पार्वती मंदिर है। इस मंदिर में हर साल करीब 30 लाख महिलाएं दर्शन के लिए आती हैं। इसे 'नारी सबरीमला' के नाम से भी जाना जाता है। इसमें भी पुरुषों का प्रवेश वर्जित है।

केरल के अलापुझा जिले में स्थित एक ओर मंदिर है जहां पुरुषों का प्रवेश वर्जित है। इस मंदिर में हर साल पोंगल का त्योहार मनाया जाता है, जिसमें हजारों महिला श्रद्धालु हिस्सा लेती हैं। यह कार्यक्रम करीब एक हफ्ते तक चलता है, जिसे नारी पूजा के नाम से भी जानते हैं। इस दौरान यहां पुरुषों का प्रवेश विशेष तौर पर वर्जित होता है। तमिलनाडु के देवी कन्याकुमारी मंदिर 51 शक्तिपीठों में से एक है। देवी भगवती के इस स्वरूप को संन्यास की देवी के रूप में भी जाना जाता है। यही कारण है कि इस मंदिर के गर्भगृह में विवाहित पुरुषों का प्रवेश सख्त वर्जित है।

बच्चे हरी सब्जियां खाने में करते हैं नखरे तो अपनाएं ये तरीके

खानेपीने की अच्छी आदतें बचपन से डाली जाएं तो वो ताउम्र कायम रहती हैं। शुरू से ही बच्चों को यदि हरी पत्तेदार सब्जियां, फल आदि खाने में दिए जाएं तो वो हमेशा हेल्दी खाना खाएंगे और स्वस्थ रहेंगे। बस, थोड़ी सी मेहनत करें तो बच्चों में नई-नई सब्जियों का स्वाद पसंद करवाने के लिए लंबा इंतजार करने की जरूरत नहीं रह जाएगी।

1. नई सब्जियां कराएं ट्राई

एक नए डिश को अपनाने में बच्चों को कम से कम छह से सात बार उसे ट्राई करने तक का समय लग जाता है। आप अपनी कोशिश में कमी न आने दें। यकीन मानिए, सालभर में ही आपका बच्चा नई-नई चीजों की तारीफ करना शुरू कर देगा।

2.शॉपिंग पर ले जाएं

खाने-पीने के सामानों की शॉपिंग के लिए जब आप मार्केट जा रही हों तो बच्चे को भी अपने साथ ले जाएं। नए-नए फलों व सब्जियों की खरीदारी से उन्हें लगाव हो जाएगा। फिर, अपनी चुनी हुई नई सब्जियों व फलों को खाना उन्हें पसंद आने लगेगा।

3. सजाकर परोसें प्लेट

भोजन के साथ इनोवेटिव बनें, खासकर तब जब आप बच्चों को उनसे इंट्रोड्यूस करवा रही हों। उसे करीने से प्लेट में सजाकर स्टाइल के साथ पेश करें ताकि वह खूबसूरत, क्रिएटिव और आकर्षक नजर आएं। इससे वे नए-नए खाद्य पदार्थों से जल्दी दोस्ती कर उन्हें अपना बना लेंगे।

4. जबरदस्ती न करें

खाने की जगह को लड़ाई का मैदान न बनने दें। बच्चों को उतना ही खिलाएं, जितना वे अपनी मर्जी से खाना चाहें। इस तरह वे उसे एंज्वॉय कर पाएंगे।

5. खाने पर हो पूरा ध्यान

बच्चों में टीवी देखते हुए खाने की आदत न डालें। इससे न तो वे यह समझ पाएंगे कि वे क्या खा क्या रहे हैं और न ही खाने की तारीफ कर पाएंगे। कभी-कभार अति व्यस्त दिनचर्या के बीच आप ऐसा कर सकती हैं, लेकिन इसकी आदत ना डालें।

6. स्वाद पहचानना सिखाएं

सभी सब्जियों को अलग-अलग तैयार कर करीने से परोसें न कि मिक्स वेजिटेबल के रूप में। बच्चों को मिक्स वेजिटेबल परोसने से उन्हें अलग-अलग सब्जियों के स्वाद, सुगंध और जायके को समझने में परेशानी हो सकती है।

7. वक्त का रखें ध्यान

बच्चों को समय से भोजन देते रहें ताकि उन्हें स्नैक्स खाने की गलत आदत से बचा सकें। बीच-बीच में स्नैक्स देने के दो नुकसान हैं। बच्चों को फास्ट फूड की लत लग जाती है और उन्हें खाने के टाइम पर भूख भी नहीं लगती।

साफ और खुशबूदार टॉवल के लिए ये करें...

बारिश के मौसम में टॉवल देर तक सूखते नहीं है। ऐसे में उन्हें नमी की बदबू से बचाना बेहद मुश्किल हो जाता है। साफ-सुंदर-खुशबूदार

टॉवल के लिए ये तरीके अपनाएं...

■ नहाने के बाद टॉवल को धूप में डालने की आदत के जबरदस्त फायदे हैं। यह करते रहेंगे तो साफ फर्क देखेंगे।

■ नए टॉवल से रोएं निकलने की समस्या तब तक आएगी, जब तक यह एक-दो बार धुल नहीं जाएंगे।

■ टॉवल के रंगों को बरकरार रखना चाहते हैं तो पहली बार जब इसे धोएं तो डिटर्जेंट के साथ विनेगर भी डालें, इसके बाद मैन्युफैक्चर इंस्ट्रक्शन के अनुसार इन्हें सुखाएं।

■ नमी की गंध भगाने के लिए टॉवल को गर्म पानी में विनेगर डालकर धोएं। अब दोबारा अपने लॉन्ड्री डिटर्जेंट से भी धोएं।

■ हमेशा ध्यान रखें कि ज्यादा डिटर्जेंट डालेंगे तो टॉवेल ज्यादा साफ नहीं होता उल्टा यह कडक हो जाएगा।

■ कपड़ों के साथ टॉवल धोने की आदत को बदल लें। इस कारण टॉवल की सफाई अच्छी तरह से नहीं हो पाती है।

ऐसे रहेगा मेकअप परफ़ेक्ट

मॉनसून सबसे खूबसूरत मौसम होता है लेकिन घर से बाहर निकलते ही आपके मेकअप को खराब भी कर देता है। बारिश के डर से बेस्ट दिखना बंद नहीं कर दें। ये सूपर ट्रिक्स अपनाकर आप अपने मेकअप को परफ़ेक्ट बनाए रख सकते हैं।

■ मॉनसून का मतलब बारिश और खूब सारी उमस। मेकअप शुरू करने से पहले बेस मजबूत करें। इसके लिए ये तीन स्टेप वाला स्किन केयर रूटीन अपनाएं। फ़ेसवॉश, टोनर और मॉइस्चराइजर। ऑइल कंट्रोल सोप-फ्री फ़ेस वॉश का इस्तेमाल करें। इससे ब्रेकआउट्स नहीं होंगे और आपकी स्किन भी ओवरड्राय नहीं होगी। रोज-वॉटर और नैचरल टोनर से चेहरा साफकरें। इसके बाद एसपीएफ वाला लाइट वेट मॉइस्चराइजर लगाएं।

■ ह्यूमिडीटी का एक जनरल रूल ये है कि हेयर और मेकअप के साथ थोड़ा ईजी हो जाएं। जितना ज्यादा नैचरल रह सकते हैं... रहें। फाउंडेशन को सबसे पहले हटा दें क्योंकि इससे आपकी स्किन ज्यादा ऑइली दिखने लगेगी। ब्लश और आयशैडो को भी इग्नोर कर सकते हैं।

■ बारिश के दिन बहुत डिप्रेसिंग भी हो सकते हैं लेकिन ये आपके चेहरे पर नहीं दिखना चाहिए। अपने मेकअप को जगह पर टिकाए रखने के लिए अच्छे प्राइमर का इस्तेमाल करें। इस तरह चेहरे पर ऑइल और चिपचिपाहट नहीं दिखाई देंगे। अब तो चेहरे के हर भाग प्राइमर मिल रहे हैं। फाउंडेशन और लिप प्राइमर से लेकर आयशैडो और लैश प्राइमर भी मिलते हैं। ये आपके मेकअप के अंदर सेट हो जाते हैं और बारिश में मेकअप गीला हो जाने पर भी बिगड़ने नहीं देते हैं।

लिप्स को मैट लिपलाइनर से आउटलाइन करें। इसे लिपस्टिक पेन्सिल से शेड करें। इनमें लिपस्टिक और ग्लॉस के मुकाबले कम मॉइस्चर पाया जाता है। आंखों के लिए वॉटर प्रूफ काजल का इस्तेमाल करें। अलग कलर्स में भी काजल या लाइनर ट्राय करें। आंखों के कोने में वाइट आइलाइनर पॉप ऐड करेगा। मानसून में लिक्विड आइलाइनर से दूर ही रहें।

■ मानसून की सबसे खराब बात ये है कि सभी के बाल फ्रिज-बॉल की तरह दिखाई देने लगते हैं। अगर छतरी घर पर ही भूल जाते हैं और बाल भीग जाते हैं तो बाल ढेर सारा पानी एब्जॉर्ब कर लेते हैं। लीव-इन कंडीशनर या सीरम काफी हद तक फ्रिज की दिक्कत को कंट्रोल कर लेते हैं। बालों को इस मौसम में बांध कर रखना ही ठीक है। ब्लोड्राय के बाद हेयरस्प्रे से बालों को सेट जरूर करें।

■ लगभग हर मेकअप प्रोडक्ट का वॉटरप्रूफ वर्जन मिल जाता है। इन्हें जरूर स्टॉक करके रखें। भारी बारिश में इन्हें लगाकर ही बाहर निकलें। इनमें से भी वॉटरप्रूफ मस्कारा सबसे ज्यादा जरूरी है। एक अच्छा मस्कारा इस्तेमाल करते हैं तो लाइनर भी स्किप कर सकते हैं। लिक्विड की जगह स्टिक या पॉट फाउंडेशन यूज करें। स्मज-प्रूफ लिपस्टिक ही लगाएं।

■ जब मेकअप के साथ मेहनत की है तो अब इसे जगह पर बनाए रखने के लिए भी एक प्रोडक्ट बहुत जरूरी है। ट्रिक ये है कि हेयरस्प्रे की सूपर लाइट कोटिंग चेहरे पर स्प्रे करें। इस तरह आपका मेकअप अपनेआप जगह पर बना रहेगा और लम्बे वक़्त तक हटेगा नहीं।

मॉनसून में हो रहे कई प्रकार के बुखार ये हैं वायरल के लक्षण

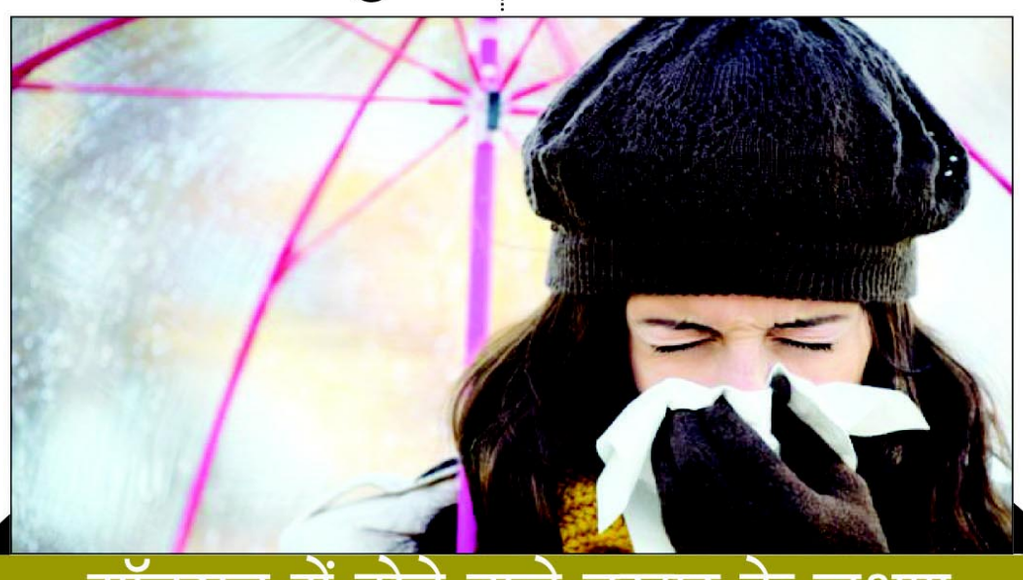

सीजन के बदलने पर लोगों को कई बीमारियां अपनी चपेट में ले लेती हैं, जैसे जुखाम, खांसी, बुखार। कई लोग ऑफिस या काम पर जाने के लिए एंटीबायोटिक का सेवन करते हैं, ऐसा करना गलत है। बिना डॉक्टर की सलाह लिए कोई भी मेडिसिन लेना शरीर के लिए नुकसानदायक हो सकता है। साथ ही मॉनसून में होने वाला बुखार भ्रम भी पैदा करता है।

बुखार कई प्रकार के होते हैं। इसमें मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, पीलिया और टायफायड शामिल हैं। इन सभी के लक्षण मिलते-जुलते रहते हैं। मॉनसून के बुखार में एस्प्रिन लेना नुकसानदायक हो सकता है, क्योंकि कई किस्म के बुखार में प्लेटलेट्स की संख्या घटने लगती है।

पीलिया में जब तक पीलिया सामने आता है तब तक बुखार चला जाता है। टायफायड का रोगी टॉक्सिक लगता है और उसकी नब्ज बुखार से कम होती है। ज़्यादातर वायरल बुखार अपने आप नियंत्रित होते हैं और एक सप्ताह में ठीक हो जाते हैं। मॉनसून के ज़्यादातर वायरल विकारों में उचित मात्रा में पानी लेने से इलाज हो जाता है। किसी लंबी मेडिकल बीमारी के दौरान बुखार होने पर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और तुरंत डॉक्टर के पास जाना चाहिए।

मॉनसून में होने वाले बुखार के लक्षण

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के मानद महासचिव पद्मश्री डॉ. के. के. अग्रवाल का कहना है कि अगर मॉनसून में बुखार हो तो इन बातों का ध्यान रखें: जब तक टायफायड की पहचान न हो जाए, तब तक कोई भी एंटीबायटिक न लें। खांसी, आंखों का लाल होना और जुखाम आदि वायरल विकार की वजह से भी हो सकता है। डेंगू होने पर आखें हिलाने पर दर्द होता है। वहीं, चिकनगुनिया में मरीज़ को बुखार, रैशेज़ और जोड़ों में दर्द होता है। कलाई के जोड़ों को दबाने से जोड़ों का दर्द बढ़ता है। मलेरिया के बुखार में कपकपी छूटती है और कठोरपन आ जाता है। बुखार के बीच में टोक्सीमिया नहीं होता।

रिश्तों को बेहतर करना है तो करें प्लानिंग!

अगर आप रिश्तों में बुरे दौर से गुजर रहे हैं, तो भविष्य के बारे में सोचना आपके रिश्ते में गरमाहट ला सकता है. क्योंकि यह उलझनों से उबरने में मदद करता है और जीवन में सकारात्मकता लाता है. हालिया अध्ययन में यह बात सामने आई है. वाटरलू यूनिवर्सिटी में अनुसंधान करने वाले एलेक्स हुएन्ह ने कहा, ह्लजब आपका पार्टनस पैसे, जलन या आपसी मुद्दों पर बहस करता है, तो वह उस वक्त अपने भावनाओं का इस्तेमाल बहस को तीखा करने के लिए करता है. ऐसे में जब वह अपने रिश्ते को लेकर भविष्य के बारे में सोचना शुरू करता है, तो उनका ध्यान झगड़े से हट जाता है.।

यह अध्ययन पत्रिका 'सोशल साइकोलॉजिकल एंड पर्सनैलिटी साइंस' में प्रकाशित हुआ है.

अतीत के शोध के मुताबिक, लोग बेवफाई के मुद्दों पर अधिक बेहतर तरीके से सोचने में सक्षम होते हैं, जब उनसे तीसरे व्यक्ति के रूप में पहलू पर सोचने के लिए कहा जाता है.

हुएन्ह ने कहा, हमारे अध्ययन में यह बाते सामने आई है कि रिश्तों के संघर्ष के संदर्भ में भविष्य आधारित अवधारणा को अपनाने से मनोवैज्ञानिक तौर पर खुशी व संबंध अच्छे होते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**